इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26



वर्ष- 45 अंक - 342 राजनांदगांव, बुधवार 04 नवंबर 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

नक्सलवाद से मुक्त होकर शांति, विकास और समृद्धि की राह पर बढ़ रहा छत्तीसगढ़: अमित शाह

राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- अगले दस वर्षों में प्रदेश की धरती और जनता दोनों होंगी समृद्ध; महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त के 632.63 करोड़ रुपये महिलाओं के खातों में अंतरित

नवा रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद के भय और हिंसा के वातावरण से निकलकर शांति, विकास और समृद्धि की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक समय छत्तीसगढ़ के बारे में कहा जाता था कि यहां की धरती अमीर है, लेकिन लोग गरीब हैं। आने वाले दस वर्षों में छत्तीसगढ़ की धरती भी समृद्ध होगी और यहां के लोग भी खुशहाल होंगे। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है।

केंद्रीय गृह मंत्री मंगलवार को नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2026 के समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की। इस अवसर पर श्री शाह ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों और संस्थाओं को राज्य अलंकरण सम्मान प्रदान किए। उन्होंने महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त की राशि भी प्रदेश की लाखों महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की। श्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता, प्रभु श्रीराम और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ की। उन्होंने राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव, सिद्धि और संकल्प का दिन है। गौरव पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की उस विरासत का है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अलग राज्य की पहचान दी। सिद्धि नक्सलवाद के उन्मूलन के संकल्प की है और संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का है।

अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़, प्रधानमंत्री मोदी ने विकास को दी नई दिशा

केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ का गठन अटल जी की दूरदर्शिता और इस क्षेत्र के विकास की आवश्यकता को ध्यान में



रखकर किया गया था। राज्य निर्माण का उद्देश्य यहां की जनता को विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को नई पहचान देना था। उन्होंने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे संवारने का कार्य किया है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों के साहस और बस्तर की जनता के सहयोग को किया नमन

श्री शाह ने नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों ने लंबे समय तक हिंसा और भय का सामना किया है। जिन जंगलों की पहचान महुआ, तेंदूपत्ता और लोकगीतों से होनी चाहिए थी, वहां बारूदी सुरंगें बिछाई गईं। जिन बच्चों के हाथों में किताबें और कलम होनी चाहिए थीं, उन्हें हिंसा की ओर धकेला गया। स्कूलों और सड़कों जैसी बुनियादी सुविधाओं को भी नक्सली हिंसा से नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए स्पष्ट रणनीति और दृढ़ संकल्प के साथ काम किया है। केंद्रीय सुरक्षा बलों और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम और स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास का वातावरण तैयार हुआ है। श्री शाह ने कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। जो लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करते हैं, उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर दिया जाता है। वहीं, कानून तोड़कर निर्दोष नागरिकों के जीवन को खतरे में डालने वालों के विरुद्ध सुरक्षा बल कार्रवाई करते हैं। नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का रास्ता चुना है। उन्होंने नक्सली हिंसा से दिव्यांग हुए लोगों के पुनर्वास का भी उल्लेख किया। कहा कि प्रभावित लोगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उनका जीवन सुगम बनाने का प्रयास किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा, खनिज संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण प्रदेश है। नक्सलवाद के कारण लंबे समय तक बस्तर सहित अनेक क्षेत्रों की पर्यटन संभावनाएं पूरी तरह विकसित नहीं हो सकीं। अब सुरक्षा और शांति का वातावरण बनने से पर्यटन, उद्योग, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राज्योत्सव के समापन समारोह में 36 विभूतियों और संस्थाओं को राज्य अलंकरण से नवाजा

नवा रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2026 के समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों और संस्थाओं को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण पुरस्कारों से सम्मानित किया। नवा रायपुर में आयोजित समारोह में साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, जनजातीय उत्थान, महिला सशक्तिकरण, सहकारिता, श्रम, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया। राज्य अलंकरण समारोह में प्रदेश की लोककला, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक समरसता, जनजातीय परंपराओं और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कारों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं और समाज के लिए समर्पित संस्थाओं के कार्यों को प्रतिष्ठित पहचान दी गई।

सामाजिक चेतना और जनजातीय उत्थान के लिए सम्मान

शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान धमतरी जिले के डुमन लाल ध्रुव को आदिवासी सामाजिक चेतना और जनजातीय उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। यति यतनलाल सम्मान दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित विश्व गीता धेनू गोविन्द पक्षी सेवा धाम को अहिंसा एवं गो रक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदान किए सम्मान, साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, कृषि, शिक्षा, समाजसेवा और जनजातीय उत्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

कार्य के लिए दिया गया। गुरु घासीदास सामाजिक चेतना एवं अनुसूचित जाति उत्थान सम्मान कबीरधाम जिले के सुखचंद भास्कर को सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा पुरस्कार नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल को आदिवासियों की सेवा और आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। इस सम्मान को अस्पताल की ओर से सी. श्रीनिवास यंगम ने प्राप्त किया। महाराजा अग्रसेन सम्मान रायगढ़ जिले के बाबूलाल अग्रवाल को सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया। संत रविदास सम्मान बालोद जिले के जगदीश प्रसाद देशमुख को सामाजिक समरसता, साहित्य और काव्य के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया गया।

महिला उत्थान और जनजागृति के लिए सम्मान

मिनीमाता सम्मान गरियाबंद के लोक आस्था सेवा संस्थान को महिला उत्थान एवं जनजागृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। संस्था की ओर से लता नेताम ने सम्मान ग्रहण किया। माता बहादुर कलारिन सम्मान कांकेर जिले की बुलबुल बैदया को महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष और नारी उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया।

साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रतिभाओं का सम्मान

पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान रायगढ़ जिले के डॉ. बिहारीलाल साहू को हिन्दी साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार दुर्ग जिले के दुर्गा प्रसाद पारकार को आंचलिक साहित्य और लोक कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ओमान के तट के पास ड्रोन हमले में भारतीय नाविक की मौत, 13 लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच ओमान के तट के पास एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। हमले से समय गंधार नाहिम अजीज नाम का यह नाविक उस भारतीय मालवाहर जहाज पर सवार था। जहाज के 13 क्रू सदस्य हमले में बच गए और उन्हें ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया।



उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह घटना 2 नवंबर को हुई। उन्होंने कहा कि ओमान के तट के पास से गुजरते समय जहाज पर एक अज्ञात हवाई वस्तु से हमला किया गया। इस जहाज पर 14 भारतीय नाविक सवार थे। उन्होंने कहा कि ओमान के कोस्ट गार्ड ने 13 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है, लेकिन मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि हमारे एक नाविक, गुजरात के गंधार नाहिम अजीज की चोटों के कारण दुखद मौत हो गई।

जहाज पर कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे

MSV अल जुसुफी नाम का यह जहाज गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के सलाया का है। यह जहाज UAE के हमरियाह बंदरगाह से सामान लेकर गुजरात के पोरबंदर की ओर जा रहा था, तभी एक विस्फोटक ड्रोन या मिसाइल ने इस पर हमला कर दिया। इस जहाज पर कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। सोनोवाल ने बताया कि केंद्र सरकार और ओमान में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं, ताकि बचे हुए 13 लोगों को तुरंत मदद मिल सके और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का बड़ा एक्शन, 510 करोड़ की संपत्ति अटैच; दो चार्टर्ड विमान और विंडमिल भी जब्त

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच कर ली हैं। इन संपत्तियों में दो चार्टर्ड विमान, कई जमीन, ऑफिस परिसर, बैंक में जमा रकम, फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश शामिल हैं। ईडी की यह कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) तथा रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में की गई है। दोनों मामलों में अलग-अलग संपत्तियों को अटैच किया गया है।

एक मामले में 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच

ईडी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कुल 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामले का है। इस मामले में 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की गई हैं। वहीं, रिलायंस कम्युनिकेशन के बैंक धोखाधड़ी मामले में 247.12 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इस तरह दोनों मामलों को मिलाकर ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप की 510.17 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है।

रिलायंस कम्युनिकेशन मामले में दो चार्टर्ड विमान भी शामिल



रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने जिन संपत्तियों को अटैच किया है, उनमें दो चार्टर्ड विमान भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में महाराष्ट्र में मौजूद छह जमीन के टुकड़ों और एक ऑफिस परिसर को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। इन सभी संपत्तियों की कीमत 247.12 करोड़ रुपये बताई गई है। रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामले में ईडी ने 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई में तमिलनाडु में मौजूद दो विंडमिल यानी पवन चक्कियां भी शामिल हैं। इनके अलावा बैंक खातों में जमा रकम, फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश को भी अटैच किया गया है। एजेंसी ने इस मामले में कंपनियों से जुड़ी रकम की वसूली और लेनदेन से संबंधित रिसीवेबल्स यानी मिलने वाली रकम पर भी कार्रवाई की है।

'मोहन भागवत को जज बना दीजिए', राहुल गांधी ने पीएम मोदी के सामने फिर रखी खुली बहस की शर्त

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। राहुल ने कहा कि उनके चैलेंज को 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मोदी अपनी पसंद की जगह और मंच चुन सकते हैं। दोनों के बीच बहस में मीडिया और देश के युवाओं को भी शामिल किया जाए।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि बहस में विदेशी ताकतों से कथित संबंध, देश की वित्तीय व्यवस्था, अमेरिका के साथ हुई डील, अडानी से जुड़े मामले और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी



कहा कि प्रधानमंत्री चाहें तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को जज बना सकते हैं।

देशद्रोही कौन है, विदेशी ताकतों से कनेक्शन किसका है?

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ। उन्होंने आगे कहा कि बहस में यह सवाल उठना चाहिए कि देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों से किसका संबंध है। राहुल ने प्रस्ताव दिया कि दोनों नेता आमने-सामने बैठें, मीडिया और देश के युवा मौजूद रहें और प्रधानमंत्री अपनी पसंद के व्यक्ति को निर्णायक बना सकते हैं।

अमेरिकी डील, अडानी और एपस्टीन मामले पर चर्चा की मांग

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रस्तावित बहस में देश के वित्तीय सिस्टम और आर्थिक ढांचे पर भी सवाल उठेंगे। उन्होंने अमेरिका के साथ हुई डील को लेकर पूछा कि यह समझौता कैसे और इतनी जल्दी क्यों हुआ। राहुल ने सवाल किया कि इसे केवल प्रधानमंत्री ने क्यों किया और कैबिनेट को इसकी जानकारी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सुप्रीम कोर्ट बोला-एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते: प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके। आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए इश्तेहाद ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।



रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

सीजेपी को एक दिन की अनुमति मिली, 17 दिन तक बैठे रहे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ को देश का प्रमुख विकास इंजन बनाने के लिए खनिज संपदा का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग जरूरी: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की मौजूदगी में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

खनिज राजस्व से वर्ष 2025-26 में मिले 16,738 करोड़ रुपये

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में प्रदेश के खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार केंद्र के साथ समन्वय स्थापित कर खनिज संसाधनों का समुचित, वैज्ञानिक और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। खनिज संपदा का लाभ केवल औद्योगिक विकास तक सीमित न रहे, बल्कि इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों, विशेषकर खनन प्रभावित क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों तक पहुंचे, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खनिज संसाधनों के बेहतर



प्रबंधन, निवेश, रोजगार सृजन और समावेशी विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के विकास का प्रमुख इंजन बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय अपने निवास कार्यालय में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की उपस्थिति में आयोजित खनन एवं कोयला क्षेत्र की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश में खनिज अन्वेषण, खनिज खंडों की नीलामी, कोयला उत्पादन, महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिजों के विकास, जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की राशि के उपयोग तथा खनन गतिविधियों में आधुनिक तकनीक के समावेश सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अहम है। देश की बढ़ती औद्योगिक और आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप खनिज संसाधनों का अन्वेषण और उपयोग आवश्यक है। राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र के साथ मिलकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों के विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय आवश्यकताओं, रोजगार के अवसरों और प्रभावित समुदायों के हितों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब खनिज संपदा से प्राप्त आर्थिक लाभ प्रभावित लोगों तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खनिज प्रशासन में पारदर्शिता, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

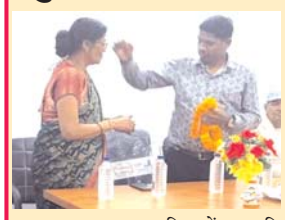
सीबीआई टीम सौरभ चंद्राकर को लेकर रायपुर पहुंची : 6 हजार करोड़ के सट्टा ऐप का मुख्य आरोपी

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर रायपुर पहुंच गया है। सीबीआई की एक टीम मंगलवार शाम सौरभ चंद्राकर को लेकर पहुंची। सौरभ चंद्राकर 7 साल के बाद अपने प्रदेश छत्तीसगढ़ वापस लौटा है। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय सौरभ चंद्राकर ने अपने चेहरे को मास्क से छिपाकर रखा था। एयरपोर्ट के जिस गेट सौरभ चंद्राकर को लेकर सीबीआई की टीम को बाहर निकलना था वहां बड़ी संख्या में मीडिया मौजूद थी। सौरभ चंद्राकर 2019 में दुबई गया था। सात साल बाद वह रायपुर लौटा है। एयरपोर्ट पर सौरभ चंद्राकर रौब में दिखाई दिया। सौरभ चंद्राकर अपने चेहरे पर मास्क लगाए हुए थे। हालांकि उसकी चाल और हाव-भाव से महादेव सट्टा ऐप घोटाले का कोई पछतावा दिखाई नहीं दिया। सीबीआई के सुरक्षा घेरे में सौरभ चंद्राकर रौब से चलता दिखाई दिया। इसके बाद टीम ने दौड़ाकर उसे गाड़ी में बैठाया। सौरभ चंद्राकर पर करीब 6 हजार करोड़ रुपये के सट्टा घोटाले में शामिल होने का आरोप है। वह महादेव सट्टा ऐप का प्रमोटर है। सीबीआई की टीम ने उसे ओमान से प्रत्यर्पण किया है। कोर्ट ने 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर उसे सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। सौरभ चंद्राकर को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में 4 नवंबर को पेश किया जाएगा।



पहला कॉलम...

मुख्य लिपिक अनिता राऊत अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त, मुद्रणालय में दी गई भावभीनी विदाई



राजनांदगांव (दावा)। शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय में पदस्थ मुख्य लिपिक श्रीमती अनिता राऊत अपनी अधिवार्षिकी सेवा अवधि पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुईं। इस अवसर पर मुद्रणालय परिसर में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम मुद्रणालय के सहायक संचालक नकुल ध्रुव की प्रमुख उपस्थिति एवं पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी व हरिओम हॉस्टल के संचालक ठा. नरेन्द्र सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। समारोह का संचालन छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के दुर्ग संभाग अध्यक्ष, जिला सचिव व विभागीय उप समिति के जिला संयोजक आनंद कुमार श्रीवास्तव ने किया। विदाई समारोह के दौरान मुद्रणालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रीमती राऊत का गुलाल से तिलकाभिषेक कर पुष्पहार व पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय अभिनंदन किया। सहकर्मियों द्वारा स्नेह उपहार स्वरूप उन्हें ट्रैवल बैग, दीवार घड़ी, स्मृति-चिह्न, मान-पत्र और स्टील का पानी ड्रम सहित विभिन्न सामग्री भेंट की गई। उपस्थित वक्ताओं ने श्रीमती राऊत के कर्तव्यनिष्ठ सेवाकाल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम से पूर्व दोपहर में सेवानिवृत्त कर्मचारी श्रीमती राऊत की ओर से सभी सहकर्मियों के लिए स्नेह-भोज का भी आयोजन किया गया। अंत में आनंद कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सफल और स्मरणीय बनाने के लिए सभी साथियों के सहयोग एवं सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त किया।

संविधान दिवस पर राजनांदगांव में 26 नवंबर को निकलेगी भव्य बाइक रैली, 27 को फैजान ताज की कव्वाली



राजनांदगांव (दावा)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर बौद्ध कल्याण समिति 14131 के तत्वावधान में युवाओं के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष राजू बारमाटे ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और सामाजिक समरसता व भाईचारे को सुदृढ़ करना है। 26 नवंबर, गुरुवार को सुबह 8 बजे डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक से भव्य बाइक रैली का शुभारंभ होगा। रैली में युवा डॉ. आंबेडकर एवं संविधान पर आधारित प्रेरक गीतों के साथ उत्साहपूर्वक शामिल होंगे। रैली आंबेडकर चौक से शुरू होकर ममता नगर रोड, बीड़ी श्रमिक कॉलोनी, मोतीपुर, रामनगर, शंकरपुर, शांतिनगर, शिवनगर, चिखली, स्टेशनपारा, गौरीनगर, राहुल नगर, संजय नगर, भरकापारा, भारत माता चौक, गुड़ाखू लाइन, इमाम चौक, जय स्तंभ चौक, मानव मंदिर चौक, इंदिरा नगर व बसंतपुर होते हुए कलेक्टर परिसर पहुंचेगी, जहां इसका विधिवत समापन होगा। बाइक रैली के संयोजन की मुख्य जिम्मेदारी राहुल गजभिये, शैलेश ठावरे और विजय रंगारी संभाल रहे हैं। दो दिवसीय आयोजन के तहत 27 नवंबर शुक्रवार को शाम 7:30 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें सुप्रसिद्ध गायक एवं कव्वाल फैजान ताज अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। इसे लेकर शहर के युवाओं और सामाजिक बंधुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में समिति के उपाध्यक्ष दीपक कोटांगले, सचिव के.एल. टांडेकर, सह सचिव डी.पी. लोनहारे, कोषाध्यक्ष देवपाल रामटेके सहित सामाजिक साथी संतोष बौद्ध, पीयूष ऊके, नीलेश ठावरे, दीपेश शेंडे, राहुल मेश्राम, प्रतीक मेश्राम सहित कार्यकारिणी के सदस्य व महिलाएं जुटी हुई हैं। समिति ने नगरवासियों, प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर संविधान के मूल्यों को अपनाने की अपील की है।

देवउठनी एकादशी पर अब 20 नवंबर को रहेगा स्थानीय अवकाश, राज्य सरकार ने बदली तारीख

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने रायपुर और नवा रायपुर अटल नगर के शासकीय कार्यालयों के लिए स्थानीय अवकाश की तारीख में बदलाव किया है। अब देवउठनी एकादशी के अवसर पर 20 नवंबर 2026, शुक्रवार को स्थानीय अवकाश रहेगा।

इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने संशोधित आदेश जारी कर दिया है। पहले घोषित अवकाश की तारीख में बदलाव करते हुए सरकार ने 20 नवंबर को छुट्टी निर्धारित की है।





धान खरीदी की तैयारियों में अगले सात दिन महत्वपूर्ण, सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें - कलेक्टर

धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा एवं व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश



राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने आगामी धान खरीदी की तैयारियों को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अगले सात दिन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवधि में सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता से पूर्ण कर ली जाएं, ताकि धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए धान खरीदी की तैयारियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी के संबंध में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में किसानों के दस्तावेजों एवं आवश्यक जानकारियों का सत्यापन गंभीरता से किया जाए। पिछले वर्ष धान विक्रय के दौरान जिन किसानों को किसी प्रकार की समस्या हुई थी। उनसे संपर्क कर उनकी समस्याओं का पहले ही निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे किसानों की जानकारी संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदारों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी अधिकारी अगले सात दिनों में आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें, जिससे खरीदी प्रारंभ होने के बाद किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हो।

कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध धान परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से महाराष्ट्र सीमा से लगे क्षेत्रों में अवैध धान परिवहन की संभावनाओं को देखते हुए सतर्कता बढ़ाने तथा आवश्यक स्थानों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने कहा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में एआई आधारित आधुनिक कैमरे लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को राइस मिलों का सघन निरीक्षण करने तथा धर्मकांटों की अनिवार्य रूप से जांच करने कहा। उन्होंने धर्मकांटों में तौल की शुद्धता जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निरीक्षण एवं जांच कार्य पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ करने कहा। कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में लगे सभी सर्वेयरों की लंबित राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को खरीफ फसल के बाद रबी मौसम में धान के स्थान पर कम पानी की आवश्यकता वाली वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने कहा।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिले के ग्राम खैरा में सभी 141 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित होने की उपलब्धि पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए जिला पंचायत, जनपद पंचायत, विद्युत विभाग, बैंक अधिकारियों एवं योजना के क्रियान्वयन में सहयोग करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास एवं बेहतर समन्वय से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। कलेक्टर ने अन्य ग्रामों को भी शत-प्रतिशत सोलरयुक्त बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जनजागरूकता बढ़ाने कहा। उन्होंने कहा कि यह योजना आम नागरिकों के बिजली व्यय को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जिले में अब तक 8 हजार 135 हितग्राहियों द्वारा सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। जिससे हितग्राही स्वयं ऊर्जादाता बन चुके हैं। नागरिकों को इस योजना से लाभान्वित करने के लिए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 16 हजार 167 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने शेष आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजनांदगांव शहर के निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्माणाधीन अंडरब्रिज से लगे ओवरब्रिज की जांच करने तथा आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने कहा। कलेक्टर ने स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने एवं प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य पूर्ण कर चुके ठेकेदारों के लंबित भुगतान का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने सीएम जनदर्शन, सीएम हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल एवं कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्विज शो 'इंडिया के टॉप-1' के फाइनल राउंड में पहुंचीं आर्ची अग्रवाल, डोंगरगढ़ में हुआ आत्मीय सम्मान

अग्रवाल समाज और गणमान्य नागरिकों ने घर पहुंचकर दी शुभकामनाएं, बढ़ाया नगर का गौरव



डोंगरगढ़ (दावा)। राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय क्विज शो इंडिया के टॉप-1 के फाइनल राउंड तक का शानदार सफर तय कर धर्मनगरी डोंगरगढ़ और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली होनहार बेटी आर्ची अग्रवाल का नगर में आत्मीय अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। आर्ची की इस गौरवमयी राष्ट्रीय उपलब्धि से उत्साहित प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल एवं अग्रवाल सभा के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण अग्रवाल के नेतृत्व में समाज के प्रमुख पदाधिकारियों व प्रबुद्ध नागरिकों ने विजय अग्रवाल के निवास पहुंचकर आर्ची को सम्मानित किया। उपस्थितजनों ने शॉल, श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंटकर उनकी प्रतिभा की मुक्तकंठ से सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के कड़े मुकाबले में देश के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों के बीच अपनी कुशाग्र बुद्धि और सामान्य ज्ञान के दम पर फाइनल राउंड तक पहुंचना डोंगरगढ़ के लिए गर्व की बात है। आर्ची की इस उपलब्धि से क्षेत्र की अन्य बेटियों और छात्र-छात्राओं को भी आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिलेगी। इस गरिमामय अवसर पर मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के ट्रस्टी प्रकाश बिंदल, गणेश नरेड़ी, वरिष्ठ पत्रकार गोपाल खेमुका सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं, आर्ची के बड़े पिताजी अजय अग्रवाल सहित पूरे परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : कोमल सिंह राजपूत



राजनांदगांव (दावा)। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का 2 नवंबर को सत्यानंद योग आश्रम में समापन हुआ। शिविर की थीम 'नशामुक्त भारत के लिए युवा' रही। समापन अवसर पर रासेयो अधिकारी डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने सात दिनों की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व उपाध्यक्ष कृषि उपज मंडी राजनांदगांव कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरों में स्वयंसेवक अनुशासन, सेवा और सामूहिकता का महत्व सीखते हैं, जो जीवनभर उनके काम आता है। युवा शक्ति को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए उन्होंने युवाओं से समाज और देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रवि सिन्हा ने कहा कि योग जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सुंदर बनाने का माध्यम है। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त अनुभवों को केवल सात दिनों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने घर, मोहल्ले और समाज में भी नशा मुक्ति एवं योग का संदेश पहुंचाएं।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.एन. माखीजा ने स्वयंसेवकों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। सत्यानंद योग आश्रम की अध्यक्ष तारिणी मिरानी ने सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रमदान और योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की बात कही। वहीं कोमल साहू ने शांति पाठ कराया तथा स्वयंसेवकों से शिविर के बाद भी प्रतिदिन योग करने और अपने परिवार एवं समाज को योग के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। इस अवसर पर सत्यानंद योग आश्रम की ओर से सभी स्वयंसेवकों को साहित्य भी भेंट किया गया। सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने सेवा, अनुशासन, योग, श्रमदान और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अनुभव प्राप्त किए।

सत्यानंद योग आश्रम में रासेयो के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

शुभांक

बी. के.
2-5-8
अनुमानित
678-1 124-7
राजधानी
1-4-8
348-5 158-4

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

कलेक्टर ने एचपीवी वैक्सीनेशन में शत-प्रतिशत उपलब्धि पर स्वास्थ्यकर्मियों को किया सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम अंतर्गत शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने सेक्टर असरा के अनिल बोरकर, सेक्टर टप्पा के श्री हर्ष मेश्राम, सेक्टर तुमड़ीबोड़ के हरि कुमार बंजारे, अर्बन डोंगरगांव के श्री योगलाल रामटेके, अर्बन डोंगरगांव के एलके पाल एवं बी. चारभांठा केकांशीराम सिन्हा को सम्मानित किया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम के तहत किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

गरीब छोटे दुकानदारों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं, जयस्तंभ चौक पर फिर लगेगा दीपावली पसरा



राजनांदगांव (दावा)। दीपावली पर्व के दौरान जयस्तंभ चौक में वर्षों से पसरा लगाकर आजीविका चलाने वाले छोटे दुकानदारों को नगर निगम द्वारा बलपूर्वक हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस कार्रवाई के विरोध में और गरीब व्यापारियों के रोजगार की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित दुकानदारों के साथ कलेक्टर से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जयस्तंभ चौक पर दुकानदारों को उसी स्थल पर व्यवस्थित तरीके से दुकान लगाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए सड़क पर बाकायदा मार्किंग कराई जाएगी।

जिससे यातायात व्यवस्था भी सुचारू रूप से चलती रहे और सड़क किनारे निर्धारित सीमा में छोटे व्यापारी अपना कारोबार कर सकें। कांग्रेस नेता निखिल द्विवेदी ने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी प्रदेश या नगर निगम में भाजपा की सरकार आती है, गरीबों और छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा कर दिया जाता है।

पूंजीपतियों के आगे नतमस्तक रहने वाली व्यवस्था में गरीब दुकानदारों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यातायात सुगम रहे और गरीबों का रोजगार भी सुरक्षित रहे-यही हमारी मांग है। मार्किंग कराकर स्थान देने के निर्णय का स्वागत है, लेकिन प्रशासन अपने वादे पर तत्काल अमल करे। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि नगर निगम का दायित्व नागरिकों और व्यापारियों को सुविधाएं देना है, न कि त्योहार के समय उनकी आजीविका छीनना। वर्षों से जयस्तंभ चौक पर पसरा लगाने वालों के साथ निगम का अमानवीय रवैया पूरी तरह अनुचित है। यातायात सुधारने के नाम पर किसी के पेट पर लात मारना कोई समाधान नहीं हो सकता। कलेक्टर द्वारा दिए गए आश्वासन का कड़ाई से पालन होना चाहिए।

पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आसिफ अली ने कहा कि बड़े लोगों के लिए नियम शिथिल कर दिए जाते हैं। जबकि त्योहार के मौके पर गरीब और मध्यम वर्ग के छोटे दुकानदारों पर बेदखली का डंडा चलाया जाता है। कांग्रेस पार्टी छोटे व्यापारियों के आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद शरद पटेल, गणेश पवार, मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु मिश्रा, ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष संदीप सोनी, विप्लव शर्मा, विशाल गढ़े, धीरज रामटेके, जितेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में पीड़ित पसरा व्यापारी उपस्थित रहे।

हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत बाल संदर्भ शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में अति गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत छुरिया विकासखंड के ग्राम कुमरदा में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिन्हांकित एसएएम एवं एमएएम बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां प्रदान की गई। साथ ही बच्चों के अभिभावकों को पोषण परामर्श दिया गया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं समिधा नागदेवे (SAMIDHA NAGDEVE) W/O श्री मुकेश उके (MUKESH UAKE) निवास स्थान AMBEDKAR WARD NO. 09 MISHIYA BADA UTKARSH NAGAR, DONGARGARH CHHATTISGARH यह शपथ करती हूं कि, मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम समिधा नागदेवे उके (SAMIDHA NAGDEVE UKEY) रख लिया है। अतः आज से मुझे मेरे समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय व अन्य सभी दस्तावेजों में मेरे नये नाम समिधा नागदेवे उके (SAMIDHA NAGDEVE UKEY), W/O श्री मुकेश उके (MUKESH VAKE) के नाम से ही जाना पहचाना जावे।

SAMIDHA NAGDEVE UKEY
AMBEDKAR WARD NO 09
MISHIYABADA UTKARSH
NAGAR, DONGARGARD
DIST - RAJNANDGAON
CHHATTISGARH, 491445

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **मानसिंह मंडावी पिता-दसरूराम** जाति-गोंड़ निवासी ग्राम शारदा, सरखेड़ा, मकान नं. 49, वार्ड नं. 12, तह. औंधी, जिला-मोहला मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491229 का निवासी हूं। जो कि मेरी पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **वैष्णवी Vaishanavi** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरी पुत्री के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **वैष्णवी मंडावी VAISHNAVI MANDAVI** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए मेरी पुत्री के नाम से बना आधार कार्ड में **वैष्णवी Vaishanavi** अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर **वैष्णवी मंडावी VAISHNAVI MANDAVI** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-औंधी, दिनांकः-03/11/2026

आवेदक
मानसिंह मंडावी
निवासी शारदा, सरखेडा, तह. औंधी
जिला- मो.मा.अं. चौकी (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.मा.क्र. 2026100937000 13
अ-6 वर्ष 2026-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लितेश कुमार साहू आ. स्व. अशोक कुमार साहू निवासी चक्री पारा, लखोली, राजनांदगांव के द्वारा शहर राजनांदगांव मोहल्ला लखोली स्थित शीट क्रमांक 77 डी. भूखण्ड क्रमांक 72/2 क्षेत्रफल 84.00 वर्गमीटर जो धारक अशोक कुमार आ. स्व श्यामलाल साहू, निवासी लखोली, राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है के संबंध में आवेदित भूखण्ड के धारक अशोक कुमार आ. स्व. श्यामलाल की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर उनके स्थान पर वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान/संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 13.11.2026 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
राजनांदगांव (छ.ग.)

राज्योत्सव में स्वच्छता दीदियों की 'कबाड़ से जुगाड़' प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र : कांतारा झांकी ने मोहा मन

प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने की सराहना, अनुपयोगी वस्तुओं से बनाईं कलाकृतियां, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में नगर पालिक निगम राजनांदगांव का स्टॉल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। निगम की स्वच्छता दीदियों ने 'कबाड़ से जुगाड़' की थीम पर अनुपयोगी व बेकार वस्तुओं से नयनाभिराम कलाकृतियां और झांकियां तैयार कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल पेश की। प्रदर्शनी में विशेष रूप से कांतारा फिल्म पर आधारित झांकी ने शहरवासियों का भरपूर ध्यान खींचा। राज्योत्सव के दौरान स्टॉलों का अवलोकन करने पहुंचे स्कूल शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने नगर निगम और स्वच्छता दीदियों के इस नवाचार की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। स्वच्छता दीदियों ने यह साबित कर दिखाया कि जिसे आम तौर पर कचरा मानकर फेंक दिया जाता है, वह रचनात्मक सोच से खूबसूरत कलाकृति बन सकता है। दीदियों ने पुरानी गुड़ियों, कार्टन, प्लास्टिक की बोतलों, थर्माकोल, पुराने फूलों व गजरों के उपयोग से कांतारा की भव्य झांकी तैयार की। इसके अतिरिक्त अनुपयोगी बोतलों व डिब्बों के माध्यम से छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा सहित टॉय बाइसिकल, डोरेमोन, जिराफ, शेर, मगरमच्छ और केकड़े जैसे आकर्षक खिलौने व मॉडल बनाए गए। इस प्रदर्शनी के जरिए 'वेस्ट टू आर्ट' तथा रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल (3डी) के सिद्धांत को जमीन पर उतारते हुए नागरिकों को गीला-सूखा कचरा अलग रखने और शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संदेश दिया गया।

51 वार्डों में 17 एसएलआरएम सेंटर, 442 स्वच्छता दीदियां संभाल रहीं कमान

राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र के 51 वार्डों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 17 एसएलआरएम (ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन) सेंटर संचालित हैं। इन केंद्रों में 442 स्वच्छता दीदियां प्रतिदिन घर-घर जाकर डोर-टू-डोर कचरा एकत्र करती हैं और उसका वैज्ञानिक पृथक्करण सुनिश्चित करती हैं। इन केंद्रों में कबाड़ के पुनर्चक्रण और जैविक खाद निर्माण से अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा रही है। राज्योत्सव में सजी इस प्रदर्शनी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि स्वच्छता अभियान केवल झाड़ू लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कचरे को संसाधन में बदलकर रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी जा सकती है।

पुरानी रंजिश में दो युवकों पर जानलेवा हमला करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार, 3 अपचारी बालक भी पकड़े गए



राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 बालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में शामिल 3 विधि से संघर्षरत बालकों (अपचारियों) को भी अभिरक्षा में लेकर बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। आरोपियों ने एक युवक के सिर पर बांस के डंडे से और दूसरे के सीने पर धारदार चाकू से प्राणघातक वार किया था। बसंतपुर थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम गठित कर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक धारदार चाकू और एक बांस का डंडा बरामद कर लिया है। सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2), 191 एवं 109 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। घटना 2 नवंबर की रात लगभग 9:30 बजे की है। प्रार्थी राजू भारती उर्फ उत्तम (निवासी वार्ड 39, कुआं चौक नंदई) को सूचना मिली कि उनका पुत्र शुभम भारती और साथी वरुण नायक नंदई चौक के पास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते रितेश यादव उर्फ लारो और उसके साथियों ने एकराय होकर दोनों युवकों को घेर लिया और अश्लील गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। सूचना मिलते ही जब प्रार्थी मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से शुभम भारती के सिर पर बांस के डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वहीं वरुण नायक के सीने के बाईं ओर धारदार चाकू घोंप दिया गया। दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। जिन्हें तत्काल शासकीय जिला अस्पताल ले जाकर प्राथमिक उपचार और मेडिकल परीक्षण कराया गया।

पुलिस ने साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर दबिश देकर निम्नलिखित चार बालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें रितेश यादव उर्फ लारो (22 वर्ष) पिता शिव यादव निवासी नंदई यादव पारा, भक्त राज ढीमर (26 वर्ष) पिता स्व. ईश्वरी प्रसाद ढीमर निवासी चौखड़ियापारा, साहिल कुरैशी (22 वर्ष) पिता ग्यासुद्दीन कुरैशी निवासी हाट बाजार एवं हर्ष उर्फ हर्षवर्धन राय (19 वर्ष) पिता जय कुमार राय निवासी कुआं चौक (राय सदर) थाना बसंतपुर आदि है। विवेचना के दौरान मामले में तीन नाबालिगों की संलिप्तता भी पुख्ता हुई। पुलिस ने चारों बालिग आरोपियों को 3 नवंबर को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। जबकि तीनों अपचारी बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर बाल संप्रेक्षण गृह (दुर्ग) भेज दिया गया है।

पहला कॉलम...

एलबी संवर्ग शिक्षकों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर किया एक दिवसीय प्रदर्शन : फ्लाई ओवर के नीचे गूंजी आवाज



राजनांदगांव (दावा)। विकासखंड स्तर पर लंबे समय से लंबित स्थानीय समस्याओं और विसंगतियों के निराकरण की मांग को लेकर एलबी संवर्ग के शिक्षकों ने मंगलवार को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। कलेक्ट्रेट के समीप फ्लाई ओवर के नीचे आयोजित इस धरना-प्रदर्शन में राजनांदगांव ब्लॉक के बड़ी संख्या में सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता शामिल हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गोपी वर्मा एवं ब्लॉक सचिव हुमन लाल साहू ने बताया कि विकासखंड में शिक्षकों से जुड़े कई प्रशासनिक व वित्तीय मामले अटके पड़े हैं। अधिकारियों द्वारा ध्यान न दिए जाने के कारण मजबूर होकर शिक्षकों को लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर उतरना पड़ा है। शिक्षक एलबी संवर्ग की सेवा पुस्तिकाओं का स्थानीय संपरीक्षक तथा कोष एवं लेखा से अविलंब सत्यापन कराया जाए। कटौती प्रारंभ होने की तिथि से शिक्षकों के जीपीएफ पासबुक का संधारण ब्लॉक स्तर पर तत्काल पूर्ण हो।

युक्तिकरण के तहत मर्ज की गई शालाओं में उच्च स्तर से प्राप्त राशि का उपयोग प्राथमिक स्तर पर भी सुनिश्चित हो तथा एकीकृत प्रणाली से अध्यापन कराने हेतु संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया जाए। उच्च अध्ययन व प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए शिक्षकों, व्याख्याताओं के अनुमति आदेश नियमानुसार समय पर जारी किए जाएं। प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं में बिना स्पष्ट नियमों के संचालित गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) का हस्तक्षेप बंद किया जाए। जिससे नियमित अध्यापन प्रभावित न हो। दिवंगत व सेवानिवृत्त शिक्षकों के परिजनों को पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और समूह बीमा जैसे समस्त वित्तीय लाभ अविलंब प्रदान किए जाएं। हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में पाक्षिक (15 दिवसीय) परीक्षा के स्थान पर मासिक या संस्था स्तर पर मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाए। ग्रीष्मावकाश में कार्य करने वाले शिक्षकों, व्याख्याताओं एवं संकुल समन्वयकों को पात्रतानुसार अर्जित अवकाश स्वीकृत कर सेवा पुस्तिका में दर्ज किया जाए।

जिन एलबी शिक्षकों का त्रुटिवश गलत संविलियन हुआ है। उसमें सुधार कर उन्हें मूल विभाग में संविलियन का लाभ दिया जाए। परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके व्याख्याता, शिक्षक एवं सहायक शिक्षकों के नियमितीकरण आदेश बिना विलंब जारी किए जाएं। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों की ये सभी मांगें पूर्णतः सेवा नियमों और उनके अधिकारों के तहत हैं। यदि प्रशासन ने इन वाजिब मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

सीएमएचओ ने डोंगरगांव में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की : लक्ष्य पूरा न करने पर होगी कार्रवाई



राजनांदगांव (दावा)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नेतराम नवरतन ने विकासखंड डोंगरगांव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्य, मौजूदा उपलब्धि, मैदानी समस्याओं और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएमएचओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत समय पर पंजीयन, नियमित प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान और त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही टीकाकरण से छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर शत-प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण कराने को कहा गया। आरबीएसके टीम को स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक रेफरल सुनिश्चित करने के निर्देश मिले। संभावित टीबी मरीजों की सक्रिय खोज, समय पर खखार जांच, अविलंब उपचार शुरू कराने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। लक्ष्य के विरुद्ध कम खखार जांच कराने वाले कर्मियों पर नाराजगी जताते हुए जवाबदेही तय करने को कहा गया। कुष्ठ खोज अभियान के तहत घर-घर सर्वे कर मरीजों की पहचान व उपचार कराने तथा मलेरिया नियंत्रण के लिए बुखार के मरीजों की त्वरित जांच व मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम पर जोर दिया गया।

कम उपलब्धि पर जताई नाराजगी, कार्यों में सुधार के लिए दिया एक माह का समय

एमडीए के तहत पात्र हितग्राहियों को दवा सेवन कराने तथा गैर-संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम में कमजोर प्रदर्शन करने वाले सीएचओ व पीएचसी प्रभारियों को कार्यप्रणाली सुधारते हुए स्क्रीनिंग व जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

डॉ. नवरतन ने प्रत्येक सोमवार को होने वाली सुपरवाइजर बैठक में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) की अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। सभी कार्यक्रमों में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए मैदानी अमले को एक माह की समय-सीमा दी गई है। बैठक में सीएमएचओ कार्यालय से नोडल अधिकारी डॉ. अशोक बसोड़, डॉ. अल्पना लूनिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, जिला सलाहकार डॉ. विकास राठौर व डॉ. स्नेहा जैन, एमईआईओ श्रीमती राईशा बेगम, बीएमई अभिषेक सोनी तथा डोंगरगांव विकासखंड से खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. रागिनी चंद्रे, बीपीएम राकेश कुर्रे, श्रीमती अमित सलामे सहित समस्त सेक्टर प्रभारी, सुपरवाइजर, सीएचओ और स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान



राजनांदगांव (दावा)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत परियोजना छुरिया-01 के ग्राम हालेकोसा में किशोरी बालिकाओं के सशक्तीकरण, व्यक्तित्व विकास एवं स्वास्थ्य जागरूकता के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक किशोर माहेश्वरी ने किशोरी बालिकाओं को एंगर मैनेजमेंट एवं व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं लक्ष्य निर्धारण का महत्व बताया। वही स्वास्थ्य विभाग के आरएचओ श्री टिकेश्वर साहू ने सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण की आवश्यकता एवं उपयोगिता की जानकारी दी। परियोजना अधिकारी श्रीमती कमलवती मरकाम ने मासिकधर्म स्वच्छता पर बालिकाओं को महत्वपूर्ण एवं आवश्यक जानकारी दी गई। इस अवसर पर मेरे सपनों का भविष्य विषय पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ थीम पर मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता में मुस्कान प्रथम, लतिका द्वितीय एवं टेमिन तृतीय रही। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रिया प्रथम, कृतिका द्वितीय एवं टेमिन तृतीय स्थान पर रही। विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 किशोरी बालिकाओं को कॉपी-पेन वितरित किए गए तथा पात्र बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण किया गया।

राजनांदगांव के सात महाविद्यालयों में युवा संवाद : लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत छात्रों से जुड़े नेता

एसआईआर पर कांग्रेस का जंतर-मंतर प्रदर्शन संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश : भाजपा

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के सात प्रमुख शासकीय महाविद्यालयों में एक साथ युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और जनभागीदारी समिति के अध्यक्षों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के जिला संयोजक खूबचंद पारख और युवा संवाद के जिला संयोजक सचिन बघेल ने बताया कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह कानून के शासन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों पर आधारित व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए जागरूक और समर्पित युवाओं की सहभागिता अनिवार्य है।

संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करना अनुचित

संवाद के दौरान वक्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस द्वारा जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। यदि किसी दल को आपत्ति है तो उसे संवैधानिक मंचों पर तथ्यों के साथ बात रखनी चाहिए। विरोध के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं की साख गिराना और भ्रम फैलाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि हिंसा, तोड़फोड़ और भीड़तंत्र कभी लोकतंत्र का विकल्प नहीं हो सकते। युवाओं को केंद्र सरकार की स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा योजना, अग्निवीर योजना, खेलो इंडिया एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी देते हुए आह्वान किया गया कि वे इन अवसरों का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें और देश के विकास में योगदान दें। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत एवं जनभागीदारी अध्यक्ष अतुल रायजादा। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में केंद्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल एवं जनभागीदारी अध्यक्ष रवि सिन्हा। शासकीय कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय में वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख एवं जनभागीदारी अध्यक्ष सुश्री मणिभास्कर गुप्ता। शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया में वरिष्ठ नेता दिनेश गांधी एवं जनभागीदारी अध्यक्ष राजेश्वर ध्रुव। शासकीय डॉ. बी.आर. आंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव में महापौर मधुसूदन यादव एवं जनभागीदारी अध्यक्ष योगेश पटेल। डॉ. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में महापौर मधुसूदन यादव एवं जनभागीदारी अध्यक्ष चीकू जैन एवं शासकीय अवंती बाई लोधी महाविद्यालय घुमका में पूर्व सांसद प्रदीप गांधी एवं वरिष्ठ नेता राजेश श्यामकर आदि उपस्थित थे। महाविद्यालयों में हुए इस संवाद में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण व सकारात्मक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का संकल्प लिया।



संस्कारधानी की बेटी प्रज्ञा बाबेश्वर ने संसद परिसर में किया छत्तीसगढ़ का नाम रोशन : युवा संसद में रखा प्रभावशाली वक्तव्य

सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर सेंट्रल हॉल में किया संबोधित, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र सेवा से प्रेरणा लेने का दिया संदेश



राजनांदगांव (दावा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित संसद परिसर (संविधान सदन) के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद (नो योर लीडर) कार्यक्रम में संस्कारधानी राजनांदगांव की होनहार बेटी कु. प्रज्ञा बांबेश्वर ने संसद को संबोधित कर जिले एवं समूचे छत्तीसगढ़ प्रदेश का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन लोकसभा सचिवालय (प्राइड) द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय एवं युवा कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में किया गया।

इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से कड़े चयन के बाद केवल 75 प्रतिभावान युवाओं को शामिल होने का अवसर मिला था। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, रक्षा मंत्री सहित अनेक केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर युवाओं को देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संदेश दिया। युवा संसद में कु. प्रज्ञा बांबेश्वर ने नो योर लीडर विषय पर सारगर्भित विचार रखते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को सरदार पटेल के फौलादी संकल्प, अद्वितीय संगठन कौशल और राष्ट्र की एकता के प्रति उनके अटूट समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। संसद के सेंट्रल हॉल में दिए गए प्रज्ञा के आत्मविश्वास से भरे भाषण और प्रभावी प्रस्तुति की खूब सराहना हुई। भारतीय संसद के मंच पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली कु. प्रज्ञा बांबेश्वर, शहर के सिद्धि-सिद्धि कॉलोनी निवासी अजय बांबेश्वर की सुपुत्री हैं। उनकी इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर डोंगरगढ़ सहित पूरे राजनांदगांव जिले में हर्ष का वातावरण है। समाज के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों, परिजनों और स्नेहीजनों ने प्रज्ञा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

हमने गुरु भगवंतों से क्या प्राप्त किया, उस पर मनन करें : मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर



राजनांदगांव (दावा)। हमें गुरु भगवंतों का सान्निध्य और मार्गदर्शन निरंतर मिलता रहता है। चातुर्मास के दौरान भी हमने सत्संग का भरपूर लाभ उठाया, लेकिन अब हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हमने गुरु भगवंतों से क्या प्राप्त किया और उसे अपने जीवन में उतारकर कैसे श्रेष्ठ बनाया जाए। उक्त विचार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर के सुशिष्य मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए।

मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि स्थानीय ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में आयोजित नियमित चातुर्मासिक प्रवचन सभा में मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर जी ने श्रावकों को आत्म-चिंतन की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गुरु भगवंतों का सहयोग और आशीर्वाद हमेशा सुलभ रहता है, किंतु क्या हमने कभी विचार किया कि 24 घंटों में से कितना समय हमने सत्संग और स्वाध्याय में बिताया? उन्होंने कहा कि चातुर्मास के समापन की ओर बढ़ने के साथ हमें यह मनन करना होगा कि इस पावन काल में हमारे हाथ क्या आया। मुनि श्री ने आगे फरमाया कि चातुर्मास पूर्ण होते ही साधु-संतों का विहार हो जाएगा। ऐसे में गुरु भगवंतों द्वारा दिए गए उपकारों और शिक्षाओं का स्मरण करते हुए कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए कि उनका आगमन हमारे जीवन में कल्याणकारी रहा। गुरु कृपा से ही जीवन को सही दिशा मिलती है और आत्मा अपने अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर होती है। प्रवचन सभा में मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने भी उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित किया। उन्होंने जैन रामायण के प्रसंगों का वाचन करते हुए भगवान राम के जीवन आदर्शों, मर्यादा, धर्म और संयम के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अनमोल 'दावा'

> कठिनाईयाँ हमें गिराने नहीं, मजबूत बनाने आती हैं. जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी.

विश्व में चारों ओर अशांति धरने, प्रदर्शन, लोग महंगाई से त्रस्त !

इन दिनों विश्व के अधिकांश भागों में किसी न किसी मुद्दे को लेकर घोर अशांति का वातावरण बना हुआ है। कहीं लोगों में महंगाई, आवास समस्या, शिक्षा के बजट और अन्य सुविधाओं में कटौती को लेकर बवाल मचा हुआ है तो कहीं विभिन्न देश आपस में उलझे हुए हैं जो निम्न घटनाओं से स्पष्ट है :-

21 सितम्बर से फ्रांस में बढ़ती महंगाई, जीवन यापन की उच्च लागत, शिक्षकों की कमी और बदहाल स्कूलों के विरुद्ध शुरू आंदोलन के दौरान हुई झड़पों में अभी तक 215 किशोर और 715 पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। इस दौरान बड़े पैमाने पर आगजनी तथा हिंसा में संलिप्त 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

30 सितम्बर को इटली में बढ़ती महंगाई और लोगों की गिरती खरीद शक्ति के विरोध में विभिन्न श्रमिक संघों ने देश भर में हड़ताल के दौरान रोम, मिलान तथा बोलोन्या आदि शहरों में छात्रों तथा किसानों ने मिल कर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए।

7-8 अक्टूबर को द. अफ्रीका के डर्बन और सोवेटो में प्रवासी विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के दौरान आगजनी व दुकानों को लूट लिया गया।

7 से 15 अक्टूबर तक अर्जेन्टीना में विश्वविद्यालयों को आर्थिक मदद कानून लागू करने, वेतन सुधारने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग पर ब्यूनस आयर्स सहित कई शहरों में प्रदर्शनों के दौरान अनेक प्रदर्शनकारी और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

7 से 21 अक्तूबर के बीच ग्रीस में एथेंस समेत कई शहरों में शिक्षा बजट, सुरक्षित स्कूली इमारतों, शिक्षकों की भर्ती, बेहतर वेतन और छात्रावास की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में अनेक लोग घायल हो गए।

30 अक्टूबर को अल्बानिया में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शिक्षा की बदहाली के विरुद्ध छात्र आंदोलन में प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन में अब तक 347 लोग घायल हुए हैं।

31 अक्टूबर को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख तथा बेसल शहरों में हिंसा भड़क गई तथा अब बहुत हो गया के नारे के साथ लाखों की संख्या में युवाओं ने सरकार की सामाजिक व आर्थिक नीतियों के विरुद्ध प्रदर्शन किए। 31 अक्तूबर को ही वैल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स तथा देश के

अन्य भागों में बढ़ती महंगाई, बजट में कटौती तथा सरकार की आर्थिक नीतियों के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों की श्रृंखला में वहां विभिन्न यूनियनों द्वारा आयोजित प्रदर्शनों में 6,00,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया तथा पुलिस पर पथराव और कांच की बोतलों व जलते पटाखों से हमला किया।

31 अक्टूबर को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हजारों लोगों ने कम वेतन तथा मकानों के बढ़ते किरायों के विरुद्ध जुलूस निकाल कर सरकार से इस संकट को दूर करने की मांग की। विशेष पुलिस इकाइयों ने कुत्तों और लाठियों के साथ धरनास्थल खाली कराए।

31 अक्टूबर को ही जर्मनी में महंगाई और शिक्षा सेवाओं में कटौती तथा सेना में अनिवार्य सेवा के विरोध में हजारों प्रदर्शनकारियों ने फ्रैंकफर्ट सहित विभिन्न शहरों में देर रात तक रैलियां निकालीं और आगजनी, हिंसा व लूटपाट की। दुकानों के शीशे तोड़ दिए और पुलिस तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों पर बोतलों, जलते पटाखों व पत्थरों से हमले किए।

31 अक्टूबर से ही बंगलादेश में महंगाई पर काबू पाने में सरकार की विफलता तथा ढाका व आसपास के इलाकों में स्थित गार्मेंट फैक्टरियों में काम करने वाले कपड़ा मिल मजदूरों द्वारा भारी प्रदर्शन जारी हैं।

बंगलादेश की सरकार द्वारा 1 नवम्बर को इनके लिए नया वेतन बोर्ड गठित करने की घोषणा के बावजूद 2 नवम्बर को भी आंदोलनकारी कपड़ा मिल मजदूरों की पुलिस से झड़पें और आगजनी जारी रही और इस दौरान सैंकड़ों फैक्टरियों पर ताले लटक गए हैं।

स्पेन में लोगों को दरपेश रहने के लिए मकानों की समस्या तथा मकानों के बढ़ते किरायों को लेकर बड़े पैमाने पर आंदोलन जारी है। हाल ही में स्पेन की राजधानी मैड्रिड में एक बुजुर्ग महिला को उसके घर से बेदखल किए जाने के बाद यह समस्या देशव्यापी मुद्दा बन गई है और वहां इसी वर्ष 9 नवम्बर को होने वाले आम चुनावों से पहले विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

रूस व यूक्रेन में फरवरी, 2022 में शुरू हुआ युद्ध अभी भी जारी है। इसराईल-हमास, ईरान-अमरीका तथा चीन व ताईवान के बीच संघर्ष भी जारी हैं। ईरान संकट के चलते तेल महंगा होने से यूरोप सहित विश्व के उद्योगों का भट्ठा बैठ गया है और केवल चीन के उद्योग ही तरकी पर हैं।

इनके अलावा भी विश्व के कई देश सूडान, म्यांमार, माली, नाईजर, बुर्कीना फासो, कांगो, तुर्की, चिली, हंगरी व यमन आदि आपस में ही उलझे हुए हैं। इस तरह के घटनाक्रम के बीच जो संकेत मिल रहे हैं उनसे तो ऐसा ही लगता है कि इस भयंकर अशांति की शिकार दुनिया में शांति और सद्भाव की निकट भविष्य में आशा करना फिजूल ही है।

मिट्टी के बर्तन और दीवाली

(कुमकुम शर्मा)

एक गांव में एक गरीब परिवार रहता था। वह उसका बेटा-बेटी उसकी पत्नी और उसके माता-पिता भी सभी मिलकर मिट्टी के बर्तन बनाने का काम किया करते थे। आज से लगभग दस साल पहले लोग गमले, घड़े, सुराही और कुछ खिलौने जो यह परिवार मिलकर बनाता था, उसे लोग कभी-कभी खरीद लिया करते थे उनकी जिन्दगी चल रही थी पर समय बदला और लोगों को इन मिट्टी से बने बर्तनों और अन्य चीजों में कोई रुचि नहीं रह गई। यह परिवार दीपावली पर खूब सारे दिये बनाता सजावटी खिलौने, मिट्टी के बर्तन बनाता और इन्तजार करता कि दीपावली पर इस बार खूब बिक्री होगी मगर पता नहीं क्या हो गया है लोगों को कि वे बिजली के रंगीन झालरों से घर को सजाना ज्यादा अच्छा समझने लगे हैं। मिट्टी के बने दीपक तो कोई खरीदता ही नहीं है।

मयंक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जो उसी गांव में रहता था। पांच साल पहले वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिये बंगलौर गया था। उसके माता-पिता और उसकी बहन इस साल बहुत खुश थे कि मयंक अपनी पढ़ाई पूरी करके इस वर्ष घर वापस आ रहा था और इस साल दीपावली सभी गांव में एक साथ मनायेंगे। मयंक की मम्मी ने भी बिजली की झालरों से घर सजाना शुरू कर दिया था। तभी मयंक की गाड़ी आकर रुकी और सब खुशी से उछल पड़े। गाड़ी को भेजने के बाद मयंक मम्मी से पूछता है मम्मी क्या आप दिये और मिट्टी के खिलौने लेने नहीं चलेंगी मम्मी कहती हैं, बेटा मैं तो देखो ये रंगीन झालरें लाई हूँ बस एक बार लगा दो और जलती रहती है। दीपकों के तेल बत्ती का खर्च भी बढ़ता है और फिर हवा चल गई तो दीपक जलाना भी मुश्किल लगता है। मयंक बड़े ध्यान से मम्मी की बात सुन रहा था वो कहता है नहीं मम्मी चलो हम सब चलते हैं वो जो कुम्हार चाचा की दुकान है न वहाँ देखते हैं। बचपन में आप वहीं से तो दीये लाती थीं। ''हाँ बेटा, पर अब तो सभी यही बिजली की झालर ही लगाते हैं। चलो मम्मी जल्दी से तैयार हो जाओ, गुड़िया को भी बोलो, पापा आप भी चलो'' वह सबसे चलने की जिद करता है। सब लोग तैयार होकर कपड़े के झोले लेकर घर से निकलते हैं और कुम्हार की दुकान पर पहुंच जाते हैं।

कुम्हार के बच्चे और उनकी बूढ़ी दादी मयंक को पहचान जाती हैं बहुत खुश होती हैं सबको देखकर। कुम्हार का बेटा और बेटी सभी दौड़-दौड़ कर अपने सजावटी खिलौने गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियाँ और दीये दिखाने लगते हैं। मयंक आगे बढ़कर बच्चों के हाथ से खूब सारे दीपक, मिट्टी के बर्तन और रंगीन गणेश लक्ष्मी की मूर्ति खरीदता है वो



जितने पैसे बताते हैं उतने उनको बिना कम कराये दे देता है। सभी बहुत खुश हैं, लौटते हैं घर की तरफ घर को दीयों से सब मिलकर सजाते हैं घर बहुत सुन्दर लग रहा है मयंक मम्मी से कहता है मम्मी देखो जितने सुन्दर लग रहे हैं दीपक और देखो कुम्हार चाचा के बच्चे भी कितने खुश हैं वो कहता है माँ दीपावली सभी के लिए है जब समाज का हर व्यक्ति खुश होगा तभी तो त्यौहार मनाने में आनन्द आता है। उन गरीब लोगों के लिये भी तो साल भर का त्यौहार है वे इंतजार करते हैं कि इस साल बिक्री होगी तो हम भी अच्छे से पर्व मनायेंगे। इसलिये अपनी खुशी के साथ दूसरों की खुशी का भी ध्यान रखना चाहिये। हमारी सभी पुरानी परम्परायें, रीति-रिवाज समाज के हर तबके को ध्यान में रखकर बनाये गये हैं। हम जब मिट्टी के बर्तन, दीये, खिलौने खरीदते हैं तो इस वंचित वर्ग को प्रमोट करते हैं जो चाइनीज झालरों के बाजार के आते ही लगभग खत्म हो गया है। हैपी दिवाली अपना और अपने आसपास सभी की खुशियों का ध्यान रखिये। खुश रहिये और खुशियाँ बाँटिये भी।

बहुत मेहनत से बनते हैं मिट्टी के बर्तन

भारत के हर पारंपरिक घर में मिट्टी के बर्तन की अहम भूमिका होती है। कुम्हारों की संख्या तो बहुत है उनकी परम्परा अब दम तोड़ रही है। व्यावसायिक रूप से बढ़ रहा है। आज तक जो एकमात्र मशीनीकरण हुआ है, वह पहिए का मोटर चालित घूर्णन है।वे जो कुछ भी करते हैं, वह सब हाथ से बनाया जाता है - मिट्टी को मिलाने से लेकर, खाना पकाने के बर्तन बनाने तक, जिसमें पत्तियों के ढेर के नीचे मिट्टी को पकाने और उसे मिट्टी से ढकने का पारंपरिक तरीका भी शामिल है।ये पिछली पीढ़ी के कारीगर एक समुदाय के रूप में रहते हैं और अपनी परंपरा को बचाए रखने के लिए मिलकर काम करते हैं। अगली पीढ़ी इस कला को अपनाकर और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसरों की तलाश में है। महंगाई बढ़ रही है लेकिन उनके सामान का दाम नहीं बढ़ रहा है। मिट्टी के काम में 4 तरह की प्रोसेस है। पहला प्रोसेस मिट्टी को तैयार करवाना दूसरा बर्तन बनाना उसके बाद उनको सही तरह से सुखाना लास्ट में उनको भट्ठी में पकाना बाद में तैयार होता है। आज कल मिट्टी भी दूर से लानी पड़ती है। पहले मिट्टी का कोई चार्ज नहीं था अभी चार्ज देना पड़ता है। इस व्यवसाय में पूरा घर मदद करता है। इस लिए घर का खर्चा निकल जाता है। एक व्यक्ति अकेला का काम नहीं है क्योंकि हरेक प्रोसेस में मेहनत है।

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। घरों की सजावट से लेकर पूजन सामग्री की खरीदारी तक के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। इसी बीच मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के खैराती बाजार क्षेत्र में रहने वाले सुरेश प्रजापति अपनी अनोखी कला और पारंपरिक हुनर के चलते आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सुरेश आंखों पर पट्टी बांधकर मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। उनकी इस कला को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं।

सुरेश प्रजापति ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मिट्टी के बर्तन बनाने में माहिर हैं। उनकी खासियत यह है कि वह आंखों पर पट्टी बांधकर भी अपने हाथों से मिट्टी को आकार देते हुए बर्तन तैयार कर लेते हैं। उनके हाथों का हुनर और मिट्टी पर पकड़ इस कला को खास बनाती है। उनकी इस अनोखी प्रतिभा को देखने के लिए लोग उत्सुक रहते हैं। मिट्टी से विभिन्न आकार के बर्तन तैयार करना उनकी मेहनत, अनुभव और वर्षों के अभ्यास को दर्शाता है।

सुरेश प्रजापति के परिवार में मिट्टी के बर्तन बनाने का काम लंबे समय से किया जा रहा है। खास बात यह है कि परिवार की दूसरी पीढ़ी भी इस पारंपरिक व्यवसाय को आगे बढ़ा रही है। आज के आधुनिक दौर में जहां बाजारों में कई तरह के सजावटी और कृत्रिम सामान उपलब्ध हैं, वहीं मिट्टी के बर्तनों की अपनी अलग पहचान बनी हुई है। दीपावली जैसे त्योहारों पर इनकी मांग और बढ़ जाती है।

दीपावली पर पूजन में उपयोग होने वाले मिट्टी के दीये और अन्य बर्तन लोगों की जरूरत का अहम हिस्सा हैं। सुरेश प्रजापति भी त्योहार को देखते हुए विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन तैयार कर रहे हैं। वह इन बर्तनों को कम कीमत पर बेचते हैं ताकि आम लोग भी आसानी से खरीदारी कर सकें। यही कारण है कि खैराती बाजार क्षेत्र में मिट्टी के बर्तन खरीदने के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में भी दीपावली पर बर्तन व दीपक बनाये जा रहे हैं। (हिफी)

क्या सच में इंसानों ने बनाया था रामसेतु?

समुद्र के बीच पत्थरों और चट्टानों की एक लंबी कतार... एक तरफ भारत का रामेश्वरम और दूसरी तरफ श्रीलंका का मन्नार द्वीप. हजारों साल पुरानी धार्मिक परंपरा इसे राम सेतु कहती है, जबकि आधुनिक भूगोल में इसे एडम्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है.

मान्यता है कि भगवान राम की वानर सेना ने माता सीता को लंका से वापस लाने के लिए इसी समुद्री मार्ग पर सेतु का निर्माण किया था. लेकिन विज्ञान इसे किस नजर से देखता है? क्या यह सच में इंसानों द्वारा बनाया गया पुल था या फिर समुद्र के भीतर प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनी एक अनोखी संरचना? और फिर आती है नासा की वो तस्वीर, जिसने साल 2007 में राम सेतु को लेकर देश-दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी थी. इंटरनेट पर दावा किया गया कि नासा ने अपनी सैटेलाइट तस्वीरों से साबित कर दिया है कि राम सेतु इंसानों ने बनाया था.

लेकिन नासा ने वास्तव में क्या कहा था?

क्या रामायण में बताए गए पांच दिन में सेतु निर्माण की बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण है? पत्थरों के पानी पर तैरने की कहानी कितनी पुरानी है? राम सेतु की उम्र को लेकर अलग-अलग दावे क्यों मिलते हैं? और 2007 में सेतु समुद्र परियोजना के दौरान केंद्र सरकार का हलफनामा इतना बड़ा विवाद क्यों बन गया था. आइए, राम सेतु की पूरी कहानी को आस्था, इतिहास और विज्ञान, तीनों नजरिए से समझते हैं.

रामायण में राम सेतु के निर्माण की क्या कथा है?

वाल्मीकि रामायण में बताया गया है कि जब भगवान राम माता सीता को रावण की कैद से मुक्त कराने के लिए लंका की ओर बढ़े, तब उनकी सेना समुद्र के किनारे पहुंची. सामने था विशाल समुद्र और उसे पार करना बेहद जरूरी था. रामायण की कथा के अनुसार, वानर सेना में नल नाम के एक कुशल सेनापति थे. धार्मिक परंपरा में नल को विश्वकर्मा का पुत्र और निर्माण-कला में निपुण माना जाता है. कथा के अनुसार, नल की अगुवाई में वानर सेना ने समुद्र पर सेतु बनाने का काम शुरू किया. बड़े-बड़े पत्थर, चट्टानें और पेड़ जुटाए गए और उन्हें समुद्र में डालकर एक मार्ग तैयार किया गया.



रामायण में इस निर्माण की गति भी बेहद चमत्कारिक बताई गई है. कुछ विवरणों के अनुसार, सेतु का निर्माण पांच दिनों में पूरा हुआ. यहीं से राम सेतु की कथा सामान्य निर्माण की कहानी न रहकर आस्था और चमत्कार से जुड़ी कथा बन जाती है.

क्या राम नाम लिखने से पत्थर तैरने लगे थे?

राम सेतु से जुड़ी सबसे लोकप्रिय मान्यताओं में से एक है कि भगवान राम की सेना ने पत्थरों पर 'राम' नाम लिखा और उन्हें समुद्र में डाल दिया. कहा जाता है कि इसके बाद वे पत्थर पानी में डूबे नहीं बल्कि तैरते रहे. हालांकि इस बात को समझना जरूरी है कि राम नाम लिखे पत्थरों वाली कथा धार्मिक और लोक परंपराओं में बेहद प्रसिद्ध है, लेकिन इसे आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है. रामायण के अलग-अलग संस्करणों और बाद की लोक परंपराओं में राम सेतु से जुड़ी कथाओं में अंतर भी मिलता है. इसलिए यहां धार्मिक मान्यता और मूल ग्रंथ के वर्णन को एक ही चीज मानने के बजाय दोनों को अलग संदर्भ में समझना ज्यादा उचित है.

राम सेतु में गिलहरी की कहानी क्यों सुनाई जाती है?

राम सेतु की कथा में एक छोटी सी गिलहरी का प्रसंग भी बेहद लोकप्रिय है. कहा जाता है कि जब वानर सेना विशाल पत्थरों और चट्टानों से सेतु बना रही थी, तब एक छोटी गिलहरी भी इस काम में अपना योगदान देने लगी. वह समुद्र किनारे रेत में लोटती और फिर पुल के पास जाकर अपने शरीर से रेत झाड़ देती है. वानरों को उसका यह प्रयास छोटा और मजाकिया लगा, लेकिन भगवान राम ने उसकी भावना को समझा. लोकमान्यता है कि भगवान राम ने गिलहरी की पीठ पर प्यार से हाथ फेरा. इसी वजह से उसकी पीठ पर तीन धारियां पड़ गईं, जिन्हें आज भी गिलहरी की पहचान से जोड़ा जाता है. इस कथा का संदेश भी बेहद खूबसूरत है कि किसी बड़े काम में योगदान की कीमत उसके आकार से नहीं, बल्कि भावना से तय होती है.

समुद्र में मौजूद यह संरचना आखिर है क्या?

अब आते हैं उस हिस्से पर जहां धर्म और विज्ञान एक-दूसरे के बिल्कुल सामने दिखाई देते हैं. भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के मन्नार के बीच समुद्र में उथले क्षेत्र, रेत और चूना-पत्थर की संरचनाओं की एक श्रृंखला दिखाई देती है. अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक और भौगोलिक संदर्भों में इसे स्त्रड्ढद्म%ह्य क्रह्मद्वस्त्रद्द कहा जाता है. नासा की सामग्री इसके भूवैज्ञानिक उद्गम को विवादित बताती है. यानी यह संरचना वास्तविक है और सैटेलाइट से इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है.

क्या नासा ने साबित किया था कि राम सेतु इंसानों ने बनाया? यहीं सबसे बड़ी गलतफहमी पैदा हुई. साल 2007 के आसपास राम सेतु की सैटेलाइट तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुईं. तस्वीर के साथ दावा किया गया कि नासा ने खुद साबित कर दिया है कि भारत और श्रीलंका के बीच मौजूद यह संरचना इंसानों द्वारा बनाया गया पुल है. लेकिन किसी सैटेलाइट तस्वीर से यह अपने आप साबित नहीं होता कि कोई संरचना इंसानों ने बनाई है.

सैटेलाइट तस्वीर आपको किसी इलाके का स्वरूप दिखा सकती है, लेकिन उससे अकेले यह तय नहीं किया जा सकता कि कोई संरचना कितनी पुरानी है, उसका निर्माण किसने किया या वह पूरी तरह प्राकृतिक है अथवा उसमें मानव हस्तक्षेप हुआ है. इसलिए %नासा ने राम सेतु को मानव निर्मित साबित कर दिया% कहना सही नहीं होगा.

क्या नासा ने राम सेतु की उम्र 17 लाख साल बताई थी?

राम सेतु को लेकर एक और दावा लंबे समय से इंटरनेट पर घूमता रहा है कि नासा ने इसकी उम्र करीब 17 लाख साल बताई थी. लेकिन सैटेलाइट तस्वीर से किसी संरचना की उम्र इतनी सटीक तरीके से निर्धारित नहीं की जा सकती.

बच्चों को समझदार और जिम्मेदार कैसे बनाएं?



हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा संस्कारी और समझदार हो, वे सबसे आदर से बात करें, सबको सम्मान दें. लेकिन बच्चे ज्यादातर आदतें अपने माता-पिता से सीखते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे के अंदर भी आपके गुण आएं तो इसके लिए आपको भी मदद करनी होगी. अगर माता-पिता बच्चों में छोटी-छोटी अच्छी आदतें डालें, तो समय के साथ वे जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से मजबूत बन सकते हैं.

हर समस्या का समाधान खुद न बताएं

जब बच्चे को कोई परेशानी हो, तो उसके लिए तुरंत समाधान ढूंढने के बजाय उसे सोचने का मौका दें. उससे पूछें कि उसकी नजर में समस्या क्या है और उसका हल कैसे निकाला जा सकता है. इससे बच्चा खुद निर्णय लेना और समस्याओं को समझना सीखता है.

हर इच्छा को तुरंत पूरी नहीं करें

आज के समय में बच्चे अक्सर हर चीज तुरंत चाहते हैं, लेकिन जिंदगी में हर चीज तुरंत नहीं मिलती. इसलिए उन्हें इंतजार करना और धैर्य रखना सिखाएं. किसी चीज की जरूरत पर बात करें और उसे समझने दें कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं होता.

गलती स्वीकार करना सिखाएं

गलती होने पर बच्चे को डांटने या शर्मिंदा करने के बजाय उसे अपनी गलती समझने का मौका दें. बच्चे से बात करें और उससे पूछें कि क्या गलत हुआ और अगली बार वे क्या सही कर सकते हैं. इससे बच्चा जिम्मेदारी लेना और अपनी गलतियों से सीखना सीखता है.

छोटे-छोटे फैसले खुद लेने दें

बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार कुछ फैसले खुद लेने का मौका दें. जैसे कौन-सी किताब पढ़नी है या कौन-से कपड़े पहनने हैं. इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ता है.

भावनाओं को पहचानना सिखाएं

कई बार बच्चे गुस्सा, दुख या डर को ठीक से समझ नहीं पाते. ऐसे में उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना सिखाएं. जब बच्चा अपनी भावनाओं को पहचानना सीख जाता है, तो वह उन्हें बेहतर तरीके से संभाल भी पाता है.

राशिफल

मेष — आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही, आपको निवेश में लाभ होगा। इस राशि के लोगों को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात को भी अच्छे से समझने की कोशिश करें, इससे आपको लाभ मिलेगा। सामने आई समस्याओं को सुलझाने में आप सफल साबित होंगे।

कर्क — आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज जो भी चीज आपके लिए रुकावट बनती है, उसे नजरअंदाज करें। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी तरह का परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं या इंटरव्यू में जा सकते हैं।

तुला — आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज आप खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं, तो खरीद सकते हैं। आज आप मित्रों के साथ मिलकर कई मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेंगे, जिससे आपको बहुत खुशी मिलेगी।

मकर — आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपका मनोबल ऊंचा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में बदलाव के आसार दिखाई दे रहे हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से और अधिक अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है। भाई के साथ किसी बात को लेकर विचार-विमर्श हो सकता है, साथ ही किसी से बात करते वक्त अपने आप को संयमित रखें।

वृष राशि — आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। आपके रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी को लेकर किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे, इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी।

सिंह — आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही, घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीदारी करने के लिए भी आज का दिन बहुत अच्छा है। लवमेट्स के लिए आज का दिन शानदार है, वे साथ में कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज सोच-समझकर ही दूसरों की मदद करें।

वृश्चिक — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का आपका प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, अपनी मेहनत के मुताबिक आपको पूरी सफलता हासिल होगी। आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा।

कुंभ — आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही, किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर भी आ सकता है, जिसे ज्वाइन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपने वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें। आज विरोधी आपको नुकसान पहुँचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए जितना हो सके उनसे दूरियां बनाकर रहें।

मिथुन — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा कि किसी अपने की मदद लें, तो काम आसानी से सफल होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के नए रंग भर देगी। आज के दिन आपको अलग-अलग रास्तों से फायदा मिलने की उम्मीद है।

कन्या — कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत लकी है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपनी मेहनत और अच्छे व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेगा। इस राशि के लोगों को पारिवारिक सुख और शांति का लाभ मिलेगा, साथ ही आपके आपसी रिश्तों में मधुरता आएगी। आज आपका ज्यादा समय माता-पिता के साथ बीतेगा।

धनु — आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को अच्छा धनलाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरुआत करना चाह रहे हैं, तो आज का दिन अनुकूल है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, साथ ही आप कहीं धार्मिक स्थल पर जाने का मन बना सकते हैं। आय के नए स्रोत मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। नवविवाहित दंपत्ति के जीवन में मिठास बनी रहेगी।

मीन — आज आपका दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ किसी मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं, हालांकि यात्रा या ट्रिप के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। आज आप घर पर अधिक समय व्यतीत करेंगे। पैसों से जुड़ी पुरानी समस्या आज खत्म हो जाएगी। व्यवसाय से अच्छा धन लाभ होगा।

गीत

// कोयल कैसे गीत गाए //

फिर कोयल कैसे,
गीत गाए बाग में।
उड़ू बैठा,
हर पेड़ के शाख पर
बैठा कुंडली मार भुजंग
हर सुराख पर
गा भी ले कोयल गीत पर,
मिठास कहाँ उसके राग में
फिर कोयल कैसे...
गिद्ध की दृष्टि पड़ी,
नीले आसमान से
नहीं कह सकता कोई कि
रहे कोयल अभिमान से
झुलसे हुए से दिखे पंख,
दहशत की आग में
फिर कोयल कैसे...
पता नहीं चलता उसे,
मौसम बसंत का
होता आभास हर घड़ी
अपने ही अंत का
अब भी जीने की आशा,
सुखद समय के अनुराग में
फिर कोयल कैसे...



टीकेश्वर सिन्हा ''गब्दीवाला''

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ गोटाटोला में भाजपा की विशाल पदयात्रा, कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा और पूर्व सांसद मधुसूदन यादव सहित वरिष्ठ नेता हुए शामिल, आमसभा के बाद निकला जनसैलाब



गोटाटोला (दावा)। भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत गोटाटोला में विशाल पदयात्रा एवं जनसभा का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में जुटे भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक विशाल आमसभा से हुई, जिसके बाद नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पूरे शहर में पदयात्रा निकालकर आम जनता तक पार्टी का संदेश पहुंचाया।

कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने का कर रही प्रयास : लक्ष्मी वर्मा

आमसभा को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आम जनता अटूट विश्वास करती है, उसी व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को कांग्रेस व उसके सहयोगी दल बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में अराजकता का माहौल पैदा करने का प्रयास कर रही है। जिसके विरोध में भाजपा का हर कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ा है।

जनता के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश लेकर जाएं कार्यकर्ता : मधुसूदन यादव

राजनांदगांव महापौर एवं पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस की नीतियों और कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था व संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति जागरूक करें। आमसभा के पश्चात नगर में निकाली गई विशाल पदयात्रा में कार्यकर्ताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। पदयात्रा के जरिए भाजपा ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के खिलाफ कड़ा राजनीतिक संदेश दिया।

किसानों से संवाद और संपर्क बढ़ाएगी भाजपा : किसान मितान गठन के लिए 5 नवंबर को प्रदेश स्तरीय कार्यशाला



भाजपा किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक संपन्न, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने दिया मार्गदर्शन

खुज्जी (दावा)। किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने जमीनी स्तर पर संपर्क अभियान तेज करने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में 2 नवंबर को भाजपा प्रदेश कार्यालय में किसान मोर्चा की प्रत्यक्ष परिचयात्मक बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में कर्मवीर सिंह ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, संगठनात्मक मजबूती और किसान मोर्चा के दायित्वों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन व दिशा-निर्देश दिए। किसानों से जमीनी स्तर पर सीधा जुड़ने के उद्देश्य से आगामी 5 नवंबर को किसान मितान गठन के लिए भाजपा किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से किसानों की स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया जाएगा।

किसानों के हितों के लिए मोर्चा प्रतिबद्ध : कैलाश शर्मा

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता कैलाश शर्मा ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा किसानों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि किसान मितान का गठन किसानों और सरकार के बीच संवाद व संपर्क को और अधिक मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में किसान मोर्चा के प्रदेश प्रभारी पूनम चंद्राकर, प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चक्रवात से धान की फसल को हुए नुकसान का किसानों को मिले मुआवजा : उदयराम साहू



मोहला (दावा)। प्रदेश में 27, 28 और 29 अक्टूबर को आए भीषण चक्रवाती तूफान व बेमौसम बारिश के कारण किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी धान की फसलें जमीन पर बिछ गई हैं।

मुख्यमंत्री से मांग- पटवारी हल्का स्तर पर तत्काल सर्वे कराकर दीपावली से पहले खातों में भेजी जाए क्षतिपूर्ति राशि

जिससे किसान गंभीर आर्थिक संकट में घिर गए हैं। इस आपदा को लेकर किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव एवं विधायक प्रतिनिधि उदय राम साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से प्रभावित किसानों को तत्काल उचित मुआवजा देने की मांग की है। श्री साहू ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉकों और वनांचल-ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी हल्का स्तर पर विशेष टीमें गठित कर तत्काल सर्वे कराया जाना चाहिए, ताकि फसल नुकसान का पारदर्शी और वास्तविक आकलन हो सके।

दोहरी मार झेल रहे अन्नदाता

उदय राम साहू ने कहा कि किसान इस समय दोहरी परेशानी का सामना कर रहे हैं। एक तरफ चक्रवात ने खेतों में तैयार फसल को बर्बाद कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ 1 नवंबर से प्रस्तावित धान खरीदी समय पर शुरू नहीं होने से किसानों की चिंता और आर्थिक परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से भावुक अपील करते हुए कहा कि दीपावली व लक्ष्मी पूजन के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए त्योहार से पहले ही किसानों के बैंक खातों में मुआवजा राशि अंतरित की जाए, ताकि अन्नदाता राहत महसूस कर सकें।

पीएम आवास और लंबित किस्तों के भुगतान की भी उठाई मांग

श्री साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय निर्माण की लंबित राशि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष से कई गरीब हितग्राहियों को राशि नहीं मिली है, जिसके कारण ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल की चौथी किस्त की बकाया राशि के शीघ्र भुगतान की भी मांग की।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार वास्तव में किसान हितैषी है, तो प्रशासनिक औपचारिकताओं को दरकिनार कर तत्काल सर्वे पूरा कराया जाए और दीपावली से पूर्व क्षतिपूर्ति राशि सीधे खातों में जमा कराई जाए।

बेसिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर : राजनांदगांव जिले के तीन शिक्षकों ने पूरा किया प्रशिक्षण



विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को मिलेगा नया विस्तार, छात्रों में सेवा भावना और नेतृत्व कौशल का होगा विकास

राजनांदगांव/घुमका (दावा)। भारत स्काउट एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित बेसिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर में राजनांदगांव जिले के तीन शिक्षकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण शिविर 27 से 02 नवंबर तक ग्राम दामाखेड़ा विकासखंड सिमगा बलौदाबाजार में आयोजित किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न विद्यालयों से शामिल शिक्षकों ने स्काउटिंग की मूलभूत अवधारणाओं, गतिविधियों एवं प्रशिक्षण पद्धतियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को स्काउटिंग की गतिविधियों के संचालन के लिए सक्षम बनाना तथा विद्यालयों में स्काउट-गाइड कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करना है। प्रशिक्षण शिविर में राजनांदगांव जिले से शामिल शिक्षकों में तोमेश्वर दास वर्मा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) घुमका विकासखंड एवं जिला राजनांदगांव, खोमेंद्र साहू अजीज पब्लिक स्कूल इंदामारा विकासखंड एवं जिला राजनांदगांव तथा अजितेश खोबरागड़े स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) डोंगरगढ़ शामिल रहे। शिक्षकों द्वारा बेसिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने से संबंधित विद्यालयों में स्काउट-गाइड की गतिविधियों एवं बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रशिक्षित शिक्षक अब विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्काउटिंग के सिद्धांतों, नियमों और व्यावहारिक गतिविधियों से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास में योगदान देंगे।

स्काउट-गाइड गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, सहयोग, साहस तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को समाज सेवा, आपदा के समय सहयोग, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रसेवा जैसे कार्यों के प्रति जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। बेसिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों की यह उपलब्धि जिले की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे विद्यालयों में नियमित स्काउट-गाइड कार्यक्रमों के संचालन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवनोपयोगी कौशल और नैतिक मूल्यों को सीखने का अवसर प्राप्त होगा। राजनांदगांव जिले के शिक्षकों की इस सफल सहभागिता से जिले में स्काउटिंग गतिविधियों के विस्तार और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

लंबित समस्याओं के समाधान के लिए छुरिया में जुटेंगे सैकड़ों शिक्षक : आज एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल और धरना प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के आह्वान पर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर बुलंद करेंगे आवाज

छुरिया (दावा)। विकासखंड में शिक्षकों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के निराकरण को लेकर आज 4 नवंबर, बुधवार को छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ब्लॉक इकाई छुरिया के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक लामबंद होंगे। ब्लॉक मुख्यालय छुरिया में आयोजित इस एक दिवसीय लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन सह सांकेतिक हड़ताल में सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेन्द्र वर्मा एवं सचिव ज्ञानेश्वर जामुलकर ने बताया कि विकासखंड में व्याप्त विसंगतियों और शिक्षकों की वाजिब मांगों के प्रति प्रशासन की उदासीनता के विरोध में यह कदम उठाया गया है। इसकी विधिवत पूर्व सूचना संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई है।

प्रमुख 10 सूत्रीय मांगें

शिक्षक (एल.बी.) संवर्ग की सेवा पुस्तिका का स्थानीय संपरीक्षक तथा कोष एवं लेखा से अविलंब सत्यापन कराया जाए। कटौती तिथि से जीपीएफ पासबुक का विधिवत संधारण सुनिश्चित हो। प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के अनावश्यक हस्तक्षेप से बाधित हो रहे अध्यापन कार्य पर रोक लगे। शिक्षकों व व्याख्याताओं को उच्च परीक्षाओं में शामिल होने हेतु समय पर अनुमति आदेश जारी किए जाएं। एल.बी. संवर्ग के शिक्षकों के आकस्मिक निधन या सेवानिवृत्ति पर परिजनों को मिलने वाले पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और समूह बीमा जैसे प्रकरणों का त्वरित निराकरण हो। हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में पाक्षिक के स्थान पर मासिक या संस्था स्तर पर मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाए। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किए गए शासकीय कार्यों का पात्रतानुसार अर्जित अवकाश स्वीकृत कर सेवा पुस्तिका में दर्ज किया जाए। परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके व्याख्याता, शिक्षक एवं सहायक शिक्षकों (एल.बी.) के नियमितीकरण आदेश तत्काल जारी हों। सत्र 2024-25 एवं 2025-26 की एकीकृत जिला बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकनकर्ताओं को पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया जाए। विभिन्न स्तरों पर आयोजित प्रशिक्षणों के लंबित यात्रा भत्तों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विष्णु साहू, राजेन्द्र लाडेकर, जगदीश साहू, मोतीराम भलेन्द्र, इरफाना शबनम, सुषमा नेताम, नाथूराम सूर्यवंशी और कमल देवांगन ने विकासखंड के सभी एल.बी. संवर्ग के शिक्षकों, सहायक शिक्षकों और व्याख्याताओं से एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : आज आक्रोशित पत्रकार एसडीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

खैरागढ़ में पत्रकार से मारपीट की घटना की कड़े शब्दों में निंदा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की उठाई मांग

छुईखदान (दावा)। खैरागढ़ में समाचार संकलन के दौरान पत्रकार किशोर कुमार सोनी के साथ पुलिस आरक्षक द्वारा किए गए कथित अभद्र व्यवहार और मारपीट की घटना को लेकर छुईखदान के पत्रकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में स्थानीय पत्रकार एकजुट होकर बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) छुईखदान को ज्ञापन सौंपेंगे। उल्लेखनीय है कि 2 नवंबर को खैरागढ़ स्थित राजा फतेह सिंह मैदान में यातायात ड्यूटी के दौरान 8वीं बटालियन (छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल) के आरक्षक क्रमांक 319 रजनीकांत उपाध्याय द्वारा पत्रकार से दुर्व्यवहार व मारपीट का मामला सामने आया था। हालांकि, घटना के बाद 8वीं बटालियन द्वारा संबंधित आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन पत्रकारों का कहना है कि ऐसी घटनाएं स्वतंत्र पत्रकारिता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर सीधा प्रहार हैं।

पत्रकार किशोर कुमार सोनी से मारपीट के मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी आरक्षक पर सख्त विभागीय व कानूनी कार्रवाई की जाए। जिले के सभी थाना प्रभारियों व पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया जाए कि पत्रकारों के साथ किसी भी सूरत में अभद्र व्यवहार, धमकी या अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। फील्ड में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति बनने पर पुलिस बल प्रयोग करने के बजाय वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से समाधान निकाले। समाचार संकलन, फोटो अथवा वीडियो कवरेज के दौरान पत्रकारों को रोकने, डराने या कार्य में बाधा डालने पर त्वरित संज्ञान लिया जाए। पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिलने पर तत्काल मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिला एवं अनुविभाग स्तर पर पत्रकारों की सुरक्षा व समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि जनहित के सवाल उठाना और प्रशासन तक जनता की आवाज पहुंचाना पत्रकारिता का मूल दायित्व है। किसी भी असहमति का समाधान कानूनी व गरिमामय तरीके से होना चाहिए, न कि लाठी या अभद्रता के जोर पर। पत्रकारों के सम्मान और कार्यस्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए यह ज्ञापन सौंपा जा रहा है।

श्रुति मंडल के पाक्षिक कार्यक्रम में गूंजी शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियां : तबला त्रयी और गायन की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

पद्मभूषण पं. राजन मिश्र को समर्पित रहा कार्यक्रम, फिट इंडिया अभियान के विजेताओं को मिला सम्मान



खैरागढ़ (दावा)। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में श्रुति मंडल समिति के तत्वावधान में शुक्रवार 30 अक्टूबर को पाक्षिक सांगीतिक सभा का आयोजन किया गया। डॉ. नरेंद्र देव वर्मा प्रेक्षागृह (परिसर क्रमांक-2) में आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य गायक पद्मभूषण पं. राजन मिश्र की स्मृति को सादर समर्पित रहा। कलाकारों ने सुर और ताल के अद्भुत समन्वय से भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा को जीवंत कर दिया।

तबला त्रयी ने पेशकार, कायदा और रेला से बांधा समां

कार्यक्रम की शुरुआत तबला त्रयी की तालबद्ध प्रस्तुति से हुई। गौरव पटेल, मयूर विश्वकर्मा और विवेक यादव ने तीन ताल में पेशकार, कायदा, रेला और टुकड़ों की ओजस्वी व प्रभावशाली जुगलबंदी प्रस्तुत की। लहरा पर प्रांजल रावत ने कुशल संगत दी। तीनों युवा वादकों ने अपनी प्रस्तुति में तबला वादन की तकनीकी बारीकियों और लयकारी का शानदार संतुलन पेश किया।

कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में विश्वविद्यालय के गायन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. लिकेश्वर वर्मा ने शास्त्रीय गायन की मनोहारी प्रस्तुति दी। उन्होंने राग भीमपलासी में विलंबित एकताल तथा राग छाया नट में द्रुत ख्याल तीनताल की बंदिशें गाकर रसिक श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। गायन प्रस्तुति में हारमोनियम पर सहायक प्राध्यापक जगदेव नेताम, तबले पर डॉ. शिवनारायण मौरे तथा तानपुरा पर नेल्सन डैमारी एवं न्यूजम नर्जरी ने संगत की।

फिट इंडिया विजेताओं का सम्मान

सांगीतिक संध्या के दौरान फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही उपस्थित कला रसिकों और शिक्षकों ने पद्मभूषण पं. राजन मिश्र को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगीत जगत में उनके अविस्मरणीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन झरना सिन्हा एवं कुमकुम मिश्रा ने किया। इस गरिमामय आयोजन में संगीत, कला, खेल और श्रद्धांजलि का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

रेलवे इंस्टीट्यूट डोंगरगढ़ में पेंशनर्स के लिए ऑनलाइन सुविधा : डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शिविर का हुआ आयोजन



डोंगरगढ़ (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा संचालित डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 5.0 के अंतर्गत स्थानीय रेलवे इंस्टीट्यूट डोंगरगढ़ में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को घर के समीप ही डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) जमा करने की सहज और सुलभ ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराना था। आयोजित शिविर में लगभग 56 पेंशनर्स एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मियों ने उपस्थित होकर बायोमेट्रिक एवं डिजिटल माध्यम से अपना वार्षिक जीवित प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक बनवाया। तकनीकी प्रक्रिया सुगम होने से वरिष्ठ पेंशनधारियों को लंबी कतारों और दूरदराज के चक्कर लगाने से राहत मिली।

नागपुर से पहुंचे अधिकारियों ने संभाली व्यवस्था

शिविर का सफल संचालन नागपुर मंडल मुख्यालय से पहुंचे कार्मिक विभाग के अधिकारी विजय कुमार एवं लेखा विभाग के विराज मेश्राम द्वारा किया गया। उन्होंने पेंशनभोगियों के दस्तावेजों का सत्यापन कर ऑनलाइन पोर्टल पर उनका डिजिटल प्रमाणीकरण सुनिश्चित कराया। इस शिविर के सफल आयोजन में देवेंद्र साखरे, बी.एच. वेंकट सत्यनारायण, मिलेंद्र कुमार टेम्भुरकर तथा रेलवे इंस्टीट्यूट के सचिव एस. वेंकट स्वामी (चित्री) का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा।

घुमका कॉलेज में मेरा विचार, मेरा भारत युवा संवाद : डॉ. घमेंद्र साहू की शोध पुस्तक का हुआ विमोचन

पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने युवाओं को स्टार्टअप और स्वरोजगार से जुड़ने किया प्रेरित



घुमका (दावा)। शासकीय रानी अवंती बाई लोधी महाविद्यालय, घुमका में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'मेरा भारत - मेरा विचार, मेरा भारत' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता और 'विकसित भारत' के संकल्प के प्रति चेतना जगाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं विधायक प्रदीप गांधी रहे, जबकि अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेश श्यामकर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत उपाध्यक्ष नोहेंद्र सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती किरण विनोद बारले, एकलव्य वर्मा और स्थानीय पार्षदगण उपस्थित रहे।

युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति : प्रदीप गांधी

मुख्य अतिथि प्रदीप गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश की वास्तविक ताकत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वरोजगार, उद्यम और स्टार्टअप से जुड़कर राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं, राजेश श्यामकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि युवाओं को अपने विचारों और कर्मों से विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनना चाहिए। प्राचार्य डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ जीवन पथ पर आगे बढ़ने की सीख दी।

'रिसर्च मेथोडोलॉजी' पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान भौतिकशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. घमेंद्र कुमार साहू द्वारा लिखित पुस्तक 'रिसर्च मैथाडॉलजी (शोध पद्धति)' का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। अतिथियों ने इस अकादमिक उपलब्धि के लिए लेखक को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए शोध के क्षेत्र में बेहतर मार्गदर्शक साबित होगी। मंच संचालन डॉ. दीपक वर्मा व डॉ. घमेंद्र साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन भारतेन्दु वर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापक श्रीमती प्रीति खुशैल, डॉ. ओमप्रकाश रत्नाकर, डॉ. सुबोध देवांगन, डॉ. मीरा देवांगन, डॉ. सोमकुमारी, चंद्रहासिनी निर्णेजक, श्रीमती योगिता बंजारे, देवानंद बांधे सहित छात्रा सुनीता, मानसी, लोकेश्वरी, हितेश्वरी, मधु और छात्र लक्की, मोरध्वज, डी.के. वर्मा, यामिनी व विक्रम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहला कॉलम...

भूटान के राजा ने पीएम मोदी को समर्पित किया बौद्ध स्तूप

नई दिल्ली। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पवित्र बौद्ध स्तूप समर्पित किया है. यह स्तूप भारत और भूटान के बीच दोस्ती और संबंधों को मजबूत करने में मोदी के योगदान के सम्मान में समर्पित किया गया है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे भारत के लिए बड़े सम्मान की बात बताया.

दरअसल, यह समारोह भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में आयोजित किया गया था. इस दौरान 108 बौद्ध स्तूपों का निर्माण और अभिषेक किया गया. इनमें से 76वां स्तूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित किया गया. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर इसकी जानकारी की. उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि भारत के लिए यह बहुत सम्मान की बात है. उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और भारत-भूटान दोस्ती के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के सम्मान में यह पवित्र स्तूप उन्हें समर्पित किया गया है.

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि 1 नवंबर को 40 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों, बौद्ध भिक्षुओं और कारीगरों ने मिलकर छह घंटे में 108 स्तूप बनाए. इस काम की शुरुआत आधी रात के बाद हुई थी.

समारोह के दौरान स्तूपों को स्थापित करने और उनका अभिषेक करने के समय पारंपरिक दुंगचेन वाद्ययंत्र भी बजाए गए. यह आयोजन बौद्ध पर्व ल्हाबाब दुचेन के मौके पर हुआ. यह पर्व भगवान बुद्ध के स्वर्ग से धरती पर वापस आने की स्मृति में मनाया जाता है.

धनतेरस से पहले सोना 1 प्रतिशत फिसला; चांदी 5,600 रुपए तक टूटी

नई दिल्ली। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। सोमवार को आई मामूली रिकवरी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और मंगलवार को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर फिर दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख, ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की संभावना और मजबूत रुपए के चलते सोना-चांदी की कीमतों पर दबाव देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। सोना करीब 1.05 प्रतिशत टूटकर 3,928 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, तो वहीं चांदी 3.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखाई दी।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी मिड-टर्म चुनावों से पहले निवेशक सतर्क हैं और फिलहाल बाजार में जोखिम लेने की इच्छा सीमित बनी हुई है। यही वजह है कि सोमवार की रिकवरी के बाद भी भारी खरीदारी देखने को नहीं मिली।

अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना करीब 1 प्रतिशत गिरकर 1.39 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गया, जबकि चांदी का भाव करीब 3 प्रतिशत फिसलकर 1.78 लाख प्रति किलोग्राम के करीब आ गया।

नेपाल में दो हेलीकॉप्टरों के बीच हुई टक्कर, एक की मौत

काठमांडु। इस वक्त की बड़ी खबर नेपाल से सामने आ रही है।



यहां नेपाल में दो हेलीकॉप्टरों के टकराने से हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों की आपस में टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा नेपाल के सोलुखुंबु में हुआ है, जब दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दो हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर होते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में घटनास्थल के पास ही कई लोग खड़े देखे जा सकते हैं। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में एक शख्स की मौत हुई है।

दरअसल, नेपाल के सोलुखुंबु में दो हेलीकॉप्टरों के आपस में टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, फिस्टेल और डायनेस्टी एयर के हेलीकॉप्टर फेरीचे हेलिपैड पर उतरते समय आपस में टकरा गए। प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि फेरीचे हेलीपैड पर उतरने के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों के पंखों के टकराने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से



नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत, शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।

इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है। वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है।

8 नए खिलाड़ियों की टीम इंडिया में एंट्री, आज न्यूजीलैंड से होगा मैच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की. श्रेयस अय्यर की अगुवाई टीम इंडिया ने टी20 सीरीज पर कब्जा किया. अब टीम इंडिया का अगला मिशन वनडे सीरीज होगी. 4 नवंबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी. टी20 टीम से तुलना करें तो वनडे सीरीज में 8 नए खिलाड़ी दिखेंगे.



टी20 सीरीज में एक्शन में दिखे वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती वनडे सीरीज में एक्शन नहीं दिखेंगे. अब शुभमन गिल की कप्तानी में विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड से लोहा लेंगे. पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई ने तीन टीमों का एलान किया है. पहले वनडे के लिए अलग टीम है. दूसरे और तीसरे वनडे के लिए अलग टीम है.

ICC, ODI रैंकिंग : वैष्णवी शर्मा ने 53 पायदान की लगाई लंबी छलांग



दुबई। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत की युवा स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने द्घ्ष्टष्ट महिला वनडे रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वह 53 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजी रैंकिंग में 94वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

20 वर्षीय इस स्पिनर ने सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया, खासकर तीसरे और आखिरी वनडे में, जहां उन्होंने अपने करियर में पहली बार एक मैच में पांच विकेट लिए।

दूसरे वनडे में चार विकेट लेने के बाद, वैष्णवी ने सीरीज के आखिरी मैच में भी शानदार फॉर्म जारी रखी और 39 रन देकर 5 विकेट लिए। 50 ओवर के फॉर्मेट में यह उनका केवल तीसरा मैच था। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया और भारत ने सीरीज 3-0 से अपने नाम की। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के लिए केवल वैष्णवी ही नहीं, बल्कि सयाली सतघरे ने भी अच्छी प्रगति की है। आखिरी वनडे में शानदार गेंदबाजी करते हुए (6 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए और 30 डॉट गेंदें फेंकीं), वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 85वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं, बाएं हाथ की स्पिनर क्रांति गौड़ ने तीसरे वनडे में दो विकेट लिए, जिससे वह एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर आ गई हैं।

स्क्वैश : सेंथिलकुमार ने ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता



ब्नो । भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट है। चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं, ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13-11, 11-5, 8-11, 11-7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉपर लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था। सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़ा, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया।

उन्होंने इस मोमेंटम को आखिरी चार में भी जारी रखा और फ्रांस के ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल 11-7, 12-10, 11-1 से जीतकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली।

इस बीच, लोब्बन ने फ्रांस के तौफिक मेखाल्फी पर सीधे गेम में जीत के साथ अपनी आखिरी जगह पक्की कर ली, जिससे टूर्नामेंट के टॉप सीड और चौथे सीड के बीच मुकाबला तय हो गया।

फाइनल सेंथिलकुमार के लिए एक कड़ी परीक्षा साबित हुआ, खासकर शुरुआती गेम में, जो आखिर तक चला। भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत बनाए रखते हुए इसे 13-11 से अपने नाम किया और फिर दूसरे गेम में ज्यादा नियंत्रण हासिल करते हुए इसे 11-5 से जीत लिया। लोबन ने वापसी करते हुए तीसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया, लेकिन सेंथिलकुमार ने संभलकर मुकाबला 11-7 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम किया।

चेक ओपन की खिताबी जीत से पहले सेंथिलकुमार ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

चेक ओपन की कामयाबी पीएसए टूर पर सेंथिलकुमार की निरंतरता को दिखाती है।

यशस्वी जायसवाल और यश राठौड़ का शतक, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट ड्रॉ

क्राइस्टचर्च। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में दमदार शतक लगाते हुए जायसवाल ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी की, बल्कि मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली तीन पारियों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले जायसवाल इस पारी में आक्रामक नजर आए। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने मात्र 162 गेंदों पर 5 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 155 रन की पारी खेली। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए यश राठौड़ का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने भी शतक लगाते हुए 122 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। जायसवाल और राठौड़ के बीच नाबाद 247 रन की साझेदारी हुई। भारत ए ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए थे। टेस्ट के आखिरी दिन (मंगलवार) चाय के समय मैच को ड्रॉ घोषित किया गया।



इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में कप्तान ध्रुव जुरेल के 105, देवदत्त पडिक्कल के 80 और आकाशदीप के 68 रन की बदौलत 346 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 424 रन बनाकर इंडिया ए पर 78 रन की अहम बढ़त ली थी।

दूसरी पारी में इंडिया ए ने जायसवाल और राठौड़ की शतकीय पारियों की बदौलत 52.4 ओवर में 2 विकेट पर 282 रन बनाए और मैच ड्रॉ घोषित किया गया।

दोनों टीमों के बीच खेला गया पहला अनाधिकारिक टेस्ट भी ड्रॉ रहा था। तीसरा अनाधिकारिक टेस्ट 7 नवंबर से खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल की फॉर्म में वापसी भारतीय टीम के लिए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। जायसवाल को ही न्यूजीलैंड सीनियर टीम के साथ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम की तरफ से पारी की शुरुआत करनी है। ऐसे में उनके बल्ले से रन न आना टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय था।

न्यूजीलैंड को झटका, डेवोन कॉनवे भारत के खिलाफ पहला वनडे नहीं खेलेंगे

ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। टी20 सीरीज हार चुकी न्यूजीलैंड को पहले वनडे में बड़ा झटका है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इंजरी की वजह से पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। कॉनवे मंगलवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के प्री-मैच ट्रेनिंग सेशन के दौरान साथी तेज गेंदबाज मैट हेनरी से टकरा गए। हेनरी और कॉनवे की टक्कर कैच लेने की कोशिश में हुई।



दोनों खिलाड़ियों का तुरंत मौके पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने इलाज किया। कॉनवे को कनकशन हुआ है। उनके सिर की चोट की जांच की गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, कॉनवे को आगे की जांच के लिए ए एंड ई ले जाया गया, जिसमें कनकशन की पुष्टि हुई, जिससे वह बुधवार को भारत के खिलाफ होने वाले पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके शामिल होने पर भी नजर रखी जाएगी। न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में कॉनवे का नाम सबसे नया है। ऑलराउंडर मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र पहले ही हैमस्ट्रिंग और कंधे की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

विकेटकीपर और ओपनर टिम सीफर्ट को पहले दो वनडे मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें भारत के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज के लिए कीवी टीम में शामिल किया गया। कप्तान मिशेल सेंटनर ने इशारा किया कि कॉनवे की अनुपस्थिति में सीफर्ट खेल सकते हैं।

सेंटनर ने मीडिया से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि सीफर्ट हमारी टीम में बैक-अप बल्लेबाज हैं। अगर डेव नहीं खेल पाते हैं तो शायद उनके लिए यह सीधा मौका होगा। हालांकि, कॉनवे वनडे क्रिकेट में बहुत अच्छे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

नक्सलवाद से मुक्त होकर शांति, विकास और समृद्धि की....

उद्यान, मां बम्लेश्वरी मंदिर, मां दंतेश्वरी मंदिर और बस्तर दशहरा जैसी प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक धरोहरों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन स्थलों में देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी पर्यटन राज्यों में अपनी पहचान स्थापित करेगा। श्री शाह ने कहा कि पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को बाजार उपलब्ध होगा तथा ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश गुरु घासीदास के सामाजिक समानता के संदेश और गुरु नानक देव की सेवा एवं सत्य की शिक्षाओं से प्रेरणा प्राप्त करता है। सेवा, समरसता और सच्चाई छत्तीसगढ़ के सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण संस्कार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोककला, जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए काम कर रही है। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों से जनजातीय समाज की संस्कृति, खेल प्रतिभाओं और पारंपरिक जीवनशैली को नई पहचान मिल रही है। श्री शाह ने पंथी, पंडवानी, राउत नाचा, करमा और सैला नृत्य सहित छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोककलाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा, खानपान, लोकनृत्य, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं में वैश्विक पहचान प्राप्त करने की क्षमता है। उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट परंपरा की भी सराहना की।

मोदी की गारंटी के 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे: अमित शाह: केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कम समय में मोदी की गारंटी के 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से संबंधित घोषणाओं, महतारी वंदन योजना, लघु वनोपज, पशुपालन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में कृषि, वन संपदा, उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार का प्रयास है कि विकास का लाभ प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

राज्योत्सव के समापन समारोह में 36 विभूतियों.....

राजेश्री महंत वैष्णवदास जी महाराज संस्कृत भाषा पुरस्कार रायपुर जिले के डॉ. बहुरन सिंह पटेल को संस्कृत भाषा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया। पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अनंत विजय को रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। हबीब तनवीर सम्मान रायपुर जिले के डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर को समकालीन रंगकर्म तथा छत्तीसगढ़ी, हिन्दी और अन्य भाषाओं के नाटकों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। चक्रधर सम्मान डॉ. एम. श्रीराम मूर्ति को शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया गया। दाऊ मंदराजी सम्मान रायपुर जिले की रेखा जलक्षत्री को लोकनाट्य और लोकशिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान दुर्ग जिले की साधना यादव को छत्तीसगढ़ी लोकगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया। देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार रायपुर जिले के आरंग निवासी सी.एल. रात्रे को पंथी नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया। खुमान साव सम्मान रायपुर जिले के चंद्रभूषण वर्मा को छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। डॉ. तीजन बाई सम्मान दुर्ग जिले के पाहंदा निवासी चेतन लाल देवांगन को पंडवानी कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी मुद्रित मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के प्रमोद कुमार साहू को प्रदान किया गया। हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह पुरस्कार बरुण सखाजी और रसिका पांडेय को संयुक्त रूप से दिया गया। मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार अंग्रेजी मुद्रित मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के शिशिर रॉय चौधरी को प्रदान किया गया। किशोर साहू सम्मान हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा और निर्माण के क्षेत्र में योगदान के लिए रायपुर जिले के सैयद ताहिर अली (करन खान) को दिया गया। किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के मोहन सुंदरानी को प्रदान किया गया। गुण्डाधूर सम्मान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोरबा जिले की संजू देवी को प्रदान किया गया। महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान बालोद जिले के टोमन कुमार को खेल, विशेष रूप से तीरंदाजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए दिया गया। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार कबीरधाम जिले के पुन्नीदास भट्ट को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार बस्तर जिले की प्राथमिक कुडुक मछुवा सहकारी समिति मर्यादित, चित्रकोट को सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया। समिति की ओर से धनसिंह बघेल ने सम्मान ग्रहण किया। श्रीमती बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार बालोद जिले के प्रदीप कुमार सोनी को मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। चेंदरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार कबीरधाम जिले के सत्येन्द्र कुमार उपाध्याय सन्नी को ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया। धन्वन्तरि सम्मान धमतरी जिले के डॉ. दिनेश कुमार नाग को आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया। स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार बलौदाबाजार जिले के अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, यूनिट कुरुदीह, सीमेंट वर्क्स, सरकीपार को श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान रायपुर के उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार ध्रुव को अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल्ली के मयूर विहार निवासी कौस्तुभ शुक्ला और रायपुर के हेमन्त कुमार मिश्र को संयुक्त रूप से दिया गया। छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान दंतेवाड़ा जिले की दीपाली सरावगी को देश के बाहर सामाजिक कल्याण, साहित्य, मानव संसाधन, निकाय अथवा आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

ओमान के तट के पास ड्रोन हमले में....

अजीज का शव भारत वापस लाया जा सके। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के बीच, जहां मालवाहक जहाजों और अन्य पोतों पर लगातार हमले हो रहे हैं, कई भारतीय नाविक भी प्रभावित हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते बताया था कि इस युद्ध के दौरान 14 नाविकों सहित कुल 22 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है।

'मोहन भागवत को जज बना दीजिए'.....

क्यों नहीं दी गई। उन्होंने अडानी से जुड़े मामले और एपस्टीन का भी जिक्र किया। राहुल ने कहा कि इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा, आ जाइए, डरिए मत। दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में मानहानि के मुकदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ करीब 45 मानहानि के मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशी कनेक्शन के आरोपों पर भी मानहानि का मुकदमा कर सकते हैं और उस मामले में भी खुलकर चर्चा हो सकती है। दरअसल, राहुल गांधी ने एक दिन पहले सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विदेशी मदद से सत्ता में आने और पद पर बने रहने का आरोप लगाया था। उन्होंने लिखा था कि मिस्टर मोदी, देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद की वजह से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद की वजह से ही पद पर बने हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-एक जगह अनिश्चितकाल....

नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र के रूप में हम इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं? इस पर तुषार मेहता ने कहा कि इन लोगों को हिरासत में नहीं लिया गया था, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था।

0 प्रशांत भूषण ने पूछ्र- किस कानून के तहत निगरानी कर रहेः सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर किस तरह की निगरानी की जा रही है और इसके लिए कौन-सा कानूनी प्रावधान है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान केवल CCTV से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी प्रदर्शन की लाइव रिकॉर्डिंग कर रहे थे, लेकिन सरकारी CCTV पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने हिरासत और पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। वहीं, व्यापारिक संगठनों की ओर से मुकुल रोहतगी, संजय पोद्दार और सचिन पुरी पेश हुए। उन्होंने प्रदर्शन के कारण कारोबारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने प्रदर्शनकारियों की निगरानी का मुद्दा उठाया। इसके अलावा, गोपाल शंकरनारायणन ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर पक्ष रखा, जबकि इंदिरा जयसिंह ने महिला पत्रकारों के संगठन नेटवर्क ऑफ विमेन इन इंडिया की ओर से पैरवी की।

छत्तीसगढ़ को देश का प्रमुख विकास....

तकनीक के अधिकतम उपयोग और खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। खनिज ऑनलाइन 2.0, डिजिटल निगरानी व्यवस्था और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खनन गतिविधियों की निगरानी अधिक प्रभावी बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि बस्तर के जनजातीय समुदायों को टिन अयस्क का बेहतर मूल्य दिलाने और भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए टिन पोर्टल जैसी पहल शुरू की गई है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश की खनिज संपदा को स्थानीय समुदायों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और आजीविका के नए अवसरों का आधार बनाना है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों, राजस्व वृद्धि और तकनीक आधारित प्रशासनिक सुधारों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राज्य ने खनिज संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता और सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। केंद्रीय मंत्री ने खनिज ऑनलाइन 2.0 पोर्टल, ड्रोन आधारित निगरानी, खनन गतिविधियों की स्टार रेटिंग और डिजिटल निगरानी व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने खनिज राजस्व बढ़ाने तथा खनन क्षेत्र में प्रशासनिक दक्षता लाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों को सराहनीय बताया। बस्तर के जनजातीय समुदायों से टिन अयस्क की पारदर्शी खरीदी और बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विकसित टिन पोर्टल की भी उन्होंने विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि खनिज संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचाने और तकनीक के माध्यम से व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ के प्रयास महत्वपूर्ण हैं। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की राशि के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों और उनके आसपास रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना डीएमएफ का प्रमुख उद्देश्य है। इस राशि का अधिकतम उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आजीविका, आधारभूत संरचना और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विक

कहा - 12 साल के शासन में जनता से किए वादे पूरे नहीं हुए, बुनियादी समस्याएं जस की तस

मोदी सरकार से ऊब चुकी जनता बड़ा बदलाव चाहती है -भागवत साहू



राजनांदगांव (दावा)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता अब मोदी सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से ऊब चुकी है। जनता को अब बदलाव की आवश्यकता महसूस होने लगी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भाजपा सरकार ने जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाए लेकिन जमीनी स्तर पर उन वादों को पूरा करने में सरकार विफल रही है।

श्री साहू ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले देश की जनता को अच्छे दिन, महंगाई से राहत, रोजगार, किसानों की आय दोगुनी करने और देश के सर्वांगीण विकास का भरोसा दिलाया था। लेकिन आज भी आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद आम जनता की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना दिखाने वाली सरकार को पहले आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। केवल बड़े-बड़े दावे और घोषणाएं करने से देश का विकास नहीं होता बल्कि जनता को इसका लाभ जमीन पर दिखाई देना चाहिए। आज आम नागरिक अपने भविष्य, रोजगार और महंगाई को लेकर चिंतित है।

श्री साहू ने कहा कि भाजपा और एनडीए सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर जनता के बीच असंतोष बढ़ रहा है। जिस दिन देश की जनता सरकार के दावों और वास्तविकता के बीच के अंतर को पूरी तरह समझ जाएगी उस दिन भाजपा के राजनीतिक भविष्य पर इसका असर दिखाई देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से हटाने का प्रयास कर रही है। श्री साहू ने मतदाता सूची और वोट चोरी से जुड़े आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के मताधिकार और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सर्वोपरि है। यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में सवाल उठते हैं तो सरकार और निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि उन सवालों का पारदर्शी तरीके से जवाब दिया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को लेकर अपनी आवाज उठाती रहेगी। श्री साहू ने कहा कि देश की जनता अब केवल नारों और वादों से संतुष्ट होने वाली नहीं है। जनता रोजगार, महंगाई से राहत, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और आम नागरिकों के जीवन में वास्तविक सुधार चाहती है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में जनता अपने मुद्दों और अधिकारों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की ओर से भाजपा के विपक्ष में रहने के दौरान किए गए आंदोलनों और प्रदर्शनों की याद दिलाई गई है। आज भाजपा सत्ता में रहते हुए विपक्ष के आंदोलनों को अराजकता बताती है जबकि विपक्ष में रहते हुए उसने भी संसद से लेकर सड़कों तक सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन किए थे। वर्ष 2010 से 2013 के बीच 2जी और कोयला घोटाले के मुद्दे पर भाजपा ने संसद की कार्यवाही बाधित की थी। तत्कालीन भाजपा नेताओं सुषमा स्वराज और अरुण जेटली ने संसद में विरोध को लोकतांत्रिक अधिकार बताया था। इसी तरह लोकपाल विधेयक को लेकर अन्ना हजारे के आंदोलन में भी भाजपा ने समर्थन दिया था। रामलीला मैदान में हुए आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन हुए थे। वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि उस समय भाजपा ने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। वहीं महंगाई के मुद्दे पर तत्कालीन भाजपा नेताओं द्वारा सिलेंडर और बैलगाड़ी के साथ किए गए प्रदर्शनों की भी याद दिलाई गई। आज बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल जब जनता की आवाज उठाते हैं, तो उनके आंदोलनों को गलत ठहराया जाता है। विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के लिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने तथा शांतिपूर्ण आंदोलन करने का अधिकार है। विपक्ष में रहते हुए विरोध को लोकतांत्रिक अधिकार बताना और सत्ता में आने के बाद विपक्ष के विरोध पर सवाल उठाना राजनीतिक दोहरे मापदंडों को लेकर बहस खड़ी करता है।

चित्रकला में तुषार तो भाषण में खुशबू प्रथम

विधिक सेवा दिवस पर करमतरा में चित्रकला एवं भाषण स्पर्धा आयोजित, सभी प्रतिभागी पुरस्कृत

राजनांदगांव (दावा)। विधिक सेवा दिवस के अवसर पर शासकीय किसान उच्चतर माध्यमिक शाला करमतरा में विद्यार्थियों के मध्य विधिक साक्षरता विषयों पर आधारित चित्रकला एवं भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, संविधान एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

चित्रकला स्पर्धा में 'न्याय सबके लिए', 'बाल अधिकार', 'नशामुक्ति' एवं 'समाज' जैसे विषयों को शामिल किया गया। वहीं भाषण स्पर्धा में 'समान न्याय एवं निःशुल्क कानूनी सहायता', 'भारतीय संविधान एवं हमारे मौलिक अधिकार', 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण', 'नारी सशक्तिकरण' तथा 'बालिका शिक्षा' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। संस्था के प्राचार्य राजेश शर्मा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ-साथ विधि संबंधी ज्ञान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता विकसित करने के साथ ही उनके आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

चित्रकला स्पर्धा में खुशबू, चंचल, साधना, डमेश्वरी, भुवनेश्वरी, जाह्नवी, लक्की, तुषार एवं डामनलाल ने सहभागिता की। वहीं भाषण स्पर्धा में खुशबू, मानसी, योगेंद्र, नीहारिका, उर्वशी एवं प्राची ने अपने विचार प्रस्तुत किए। भाषण स्पर्धा में खुशबू ने प्रथम, प्राची ने द्वितीय एवं मानसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला स्पर्धा के हाई स्कूल वर्ग में जाह्नवी, साधना एवं खुशबू ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कॉन्फ्लुएंस महाविद्यालय में मनी सरदार पटेल जयंती



मतदाता जागरूकता एवं नशा मुक्त समाज हेतु जागरूकता सप्ताह का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। कॉन्फ्लुएंस महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस), सतर्कता जागरूकता सप्ताह, मतदाता जागरूकता एवं नशा मुक्त समाज अभियान के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भ्रष्टाचार मुक्त समाज, नशा उन्मूलन एवं सशक्त मतदान के संदेश को विभिन्न शैक्षणिक, रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाया गया।

सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा एवं मतदाता शपथ में ईमानदारी, भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं निष्पक्ष मतदान की शपथ ली। कार्यक्रम अधिकारी विजय मानिकपुरी द्वारा विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक शपथ एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। पोस्टर, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता विषय ÷भ्रष्टाचार उन्मूलन, नशा मुक्त भारत एवं मेरा वोट-मेरा अधिकार÷ रहा। विद्यार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता पर आकर्षक पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें 'नो योर वोट' एवं 'नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो' जैसे संदेशों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जागरूकता रैली, यूनिटी रन एवं नुक्कड़ नाटक महाविद्यालय द्वारा भव्य जागरूकता रैली एवं यूनिटी रन निकाला गया। विद्यार्थियों ने 'भ्रष्टाचार हटाओ - देश बचाओ, नशा मुक्त हो अपना गांव, वोट डालने जाना है - अपना फर्ज निभाना है' जैसे नारों के साथ भ्रमण किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को नशा, भ्रष्टाचार और वोट के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि सतर्कता ही भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी दवा है और मतदान ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। युवा अगर नशे से दूर रहकर ईमानदारी से वोट करेगा, तभी विकसित भारत@ 2047 का सपना पूरा होगा। प्राचार्य डॉ. रचना पांडे ने कहा कि एक जागरूक नागरिक ही भ्रष्टाचार मुक्त और नशा मुक्त समाज बना सकता है। आपका वोट आपकी आवाज है, इसका सही उपयोग करें और नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहें। डायरेक्टर डॉ. मनीष जैन ने कहा कि कॉन्फ्लुएंस महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण का कार्य भी कर रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं सैकड़ों स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सोमनी हायर सेकेंडरी स्कूल में SIR को लेकर युवा संवाद कार्यक्रम संपन्न

भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने युवाओं को किया जागरूक, लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

सोमनी (दावा)। ग्राम सोमनी स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के संबंध में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कोमल सिंह राजपूत भाजपा जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रोहित चंद्राकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह एवं तरुण लहरवानी उपाध्यक्ष जिला भाजपा एवं मंडल प्रभारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुआ। शाला की प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया तथा विद्यालय में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

मुख्य अतिथि कोमल सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए एसआईआर की आवश्यकता, उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन होना बेहद आवश्यक है। एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जाता है, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित किए जा सकें और सूची में मौजूद त्रुटियों का नियमानुसार निराकरण हो सके। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एसआईआर की प्रक्रिया को स्वयं समझें और अपने परिवार, पड़ोस तथा गांव के लोगों को भी इसकी जानकारी दें। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री रोहित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे जागरूक नागरिक बनकर इस प्रक्रिया में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं। विशेष अतिथि जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष श्री योगेंद्र प्रताप सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सबसे अच्छी बात यह है कि हमें मतदान का अधिकार प्राप्त है। युवा किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बनना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा समाज में जागरूकता के वाहक बन सकते हैं। एसआईआर जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया के संबंध में सही जानकारी प्राप्त कर उसे आम लोगों तक पहुंचाना युवाओं की सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

वित्त सेवा उपसंचालक देवेंद्र चौबे सेवानिवृत्त



दुर्ग में भावभीनी विदाई के बाद राजनांदगांव निवास में गाजे-बाजे से हुआ भव्य स्वागत

दुर्ग (दावा)। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय दुर्ग में विगत 5 वर्षों से पदस्थ वित्त सेवा के उप संचालक देवेंद्र कुमार चौबे को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर गरिमामय समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। लगभग 42 वर्ष 9 माह की सुदीर्घ शासकीय सेवा के दौरान उन्होंने संभाग के विभिन्न शासकीय कार्यालयों के जटिल पेंशन एवं वेतन निर्धारण प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कर प्रशासनिक हलकों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। विदाई समारोह संभागीय संयुक्त संचालक विवेक कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

भवन व्यवस्था व भूमि आवंटन में रहा अहम योगदान

कार्यक्रम के दौरान लेखा प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य गिरीश देवांगन ने संस्थान हेतु भवन व्यवस्था एवं स्थायी भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटन कराने में श्री चौबे के सक्रिय प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संचालक व्याख्याता कैलाश साहू ने उनके 43 वर्षों के सेवाकाल, कार्यशैली और विभागीय उपलब्धियों को रेखांकित किया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने उनके कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। वहीं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना चौबे एवं पुत्री राशि चौबे ने भी शासकीय दायित्वों को सदैव सर्वोपरि रखने के उनके समर्पण का उल्लेख किया।

'सहकर्मियों का सहयोग रहा अविस्मरणीय'

सम्मान की बेला में भावुक होते हुए उप संचालक देवेंद्र चौबे ने कहा कि यह दिन उनके जीवन का अत्यंत भावुक क्षण है। वे किसी दफ्तर से नहीं, बल्कि एक आत्मीय परिवार से विदा ले रहे हैं। उन्होंने अपनी सेवा यात्रा की चुनौतियों को साझा करते हुए सभी सहकर्मियों का आभार जताया और आश्वस्त किया कि वित्तीय नियमों, पेंशन व वेतन निर्धारण संबंधी मार्गदर्शन के लिए उनके दरवाजे भविष्य में भी हमेशा खुले रहेंगे। समारोह को संयुक्त संचालक विवेक कुमार मिश्रा, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से ममता अवस्थी, सीएसवीटीयू की वित्त नियंत्रक नीतू पाण्डेय, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी कृष्णकांत खरांशु, सहायक संचालक हिना सिंह गुप्ता, सादिक उल मलिक, मनीष मिश्रा, शशि दुबे, अशोक राठौर, संतोष कुमार सोनी, सहायक लेखाधिकारी खम्हन सिंह गोआर्य तथा वरिष्ठ व्याख्याता सब्रीना सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में संभागीय कार्यालय, जिला कोषालय, कोषालय कर्मचारी संघ, बीईओ कार्यालय दुर्ग, एसपी कार्यालय व सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, चौबे परिवार एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दुर्ग में विदाई समारोह के बाद विभागीय अधिकारी व कर्मचारी श्री चौबे के साथ उनके स्थायी निवास राजनांदगांव पहुंचे। वित्त सेवा संघ, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर समिति एवं मोहल्लेवासियों ने स्वागत किया।

दुनिया में आने जाने की मुसाफिरी तो चलती ही रहेगी-मौलिकप्रभ जी



राजनांदगांव (दावा)। ''आपने काफी समय संसार को दिया है और इस संसार में आने जाने की मुसाफिरी तो चलती ही रहेगी। आपने दुर्लभ मनुष्य जीवन पाया है तो इसका लाभ उठाएं। सीरियल की दुनिया में ना डूबें। आप अपने लिए समय निकालें। आराधना दूसरे के दम पर नहीं होती। आराधना / साधना सिर्फ अपने दम पर ही होती है।

''उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य मौलिकप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर जी ने कहा कि आप अपनी आत्मा में झाकें। कुछ क्षण के लिए ही सही यदि आप अपनी आत्मा में डूब गए तो आप धन्य हो जाएंगे। पूरे दिन संसार की माला मत फेरिये। आपने जो यहां प्राप्त किया है उसे आप यही छोड़ जाएंगे,केवल आराधना के बल पर आपने जो आपने प्राप्त किया है,वही आपके साथ जाएगा।

मुनि श्री मौलिकप्रभ जी ने कहा कि कहीं ना कहीं आपमें छोटा सा परिवर्तन भी आया और आप सही तत्व को पकड़ लिए तो आप धन्य हो जाएंगे। थोड़े समय के सुख के लिए आप अपना समय बर्बाद मत कीजिए। जितना ज्यादा हो सके आप अपने लिए समय निकालिए। साधु जितना मौन रहेगा, वह उतना ही अंतर में उतर पाएगा। आप यदि प्रतिदिन अपने लिए समय निकालेंगे तो आप एक दिन अवश्य अपनी आत्मा में उतर जाएंगे। तब आपका जीवन धन्य-धन्य हो जाएगा।

मुनि श्री ने कहा कि आप अपनी आत्मा में इतना उतर जाएं कि संसार की भौतिक वस्तुएं आपको तुच्छ लगने लगे और आपको प्रभावित न कर पाए। आप कोशिश करते रहें एक न एक दिन अवश्य सफल होंगे। तब आप अपनी मस्ती में जिएंगे और दुनिया की कोई भी चीज आपको प्रभावित नहीं कर पाएगी। आप आत्मा को लक्ष्य कर चलेंगे तो मौत भी आपको प्रवाहित नहीं कर पाएगी। संसार की यात्रा हमने बहुत कर ली है अब हमें आत्म यात्रा करनी होगी ताकि हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

स्टेशन मुढ़ीपार की छात्रा दुर्गेश्वरी साहू को राज्यपाल पुरस्कार, लोकभवन रायपुर में हुआ भव्य अलंकरण समारोह



स्काउट-गाइड के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से प्रदान किए गए प्रमाण पत्र

राजनांदगांव (दावा)। स्काउट-गाइड के क्षेत्र में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और समर्पण के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मुढ़ीपार की छात्रा एवं गाइड दुर्गेश्वरी साहू पिता ईश्वर साहू ने राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय, परिवार, क्षेत्र एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। दुर्गेश्वरी साहू राज्यपाल पुरस्कार एवं अलंकरण समारोह में लोकभवन, छत्तीसगढ़ मंडपम, रायपुर में शामिल हुईं, जहां उन्हें स्काउट-गाइड के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल दुर्गेश्वरी साहू के व्यक्तिगत परिश्रम और निरंतर प्रयासों का परिणाम है, बल्कि विद्यालय परिवार, स्काउट-गाइड प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं परिजनों के मार्गदर्शन और सहयोग का भी प्रतिफल है। राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होने से क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है।

वर्ष 2025 - 26 में राजनांदगांव जिले से स्काउट-गाइड गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 30 विद्यार्थियों ने राज्यपाल पुरस्कार के लिए सफलता प्राप्त की। इनमें 18 स्काउट, 8 गाइड एवं 4 रोवर शामिल हैं। सफल विद्यार्थियों को महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका जी के करकमलों से राज्यपाल पुरस्कार के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह उपलब्धि जिले में स्काउट-गाइड गतिविधियों के प्रति विद्यार्थियों की रुचि, समर्पण और सक्रिय सहभागिता को दर्शाती है। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए सफल होना जिले के शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

लोकभवन रायपुर में गरिमामय अलंकरण समारोह

राज्यपाल पुरस्कार एवं अलंकरण समारोह का आयोजन लोकभवन, छत्तीसगढ़ मंडपम, रायपुर में किया गया। समारोह में राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों, सेवा भावना, अनुशासन एवं स्काउट-गाइड गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्टेशन मुढ़ीपार की छात्रा दुर्गेश्वरी साहू का इस समारोह में शामिल होना विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए विशेष गौरव का विषय रहा। राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त करने के साथ ही उन्हें भविष्य में समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

जिला प्रभारी रमेश दास साहू ने किया दल का मार्गदर्शन

समारोह में राजनांदगांव जिले के स्काउट-गाइड दल का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन जिला प्रभारी तथा स्काउट मास्टर श्री रमेश दास साहू ने किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने समारोह में सहभागिता की और अपनी उपलब्धि को गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री आर.आर. साहू का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्राप्त हुआ। शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं स्काउट-गाइड प्रशिक्षकों के सहयोग से जिले के विद्यार्थियों को राज्यस्तरीय गरिमामय समारोह में शामिल होने का अवसर मिला।

स्काउट-गाइड गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम

स्काउट-गाइड केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, सहयोग, सामाजिक सेवा और राष्ट्रप्रेम जैसे गुणों का विकास करने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में कार्य करना, दूसरों की सहायता करना, समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना तथा सेवा भावना के साथ आगे बढ़ना सीखते हैं। राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों, प्रशिक्षण, सेवा कार्यों और निर्धारित दक्षताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है। यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, लगन, नियमित अभ्यास और समर्पण का प्रतीक है।

विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल

दुर्गेश्वरी साहू की इस उपलब्धि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मुढ़ीपार के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्काउट-गाइड दल, सहपाठियों एवं परिजनों में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया जा रहा है। विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों ने दुर्गेश्वरी साहू सहित राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त सभी स्काउट, गाइड एवं रोवर विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वे आगे भी समाज सेवा, शिक्षा और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल के 22वें दिन भी डटे रहे पटवारी : शासन के काम पर लौटने के नोटिस को ठुकराया

राजनांदगांव (दावा)। अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आंदोलनरत जिला पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज 22वें दिन भी जारी रही। कलेक्ट्रेट के सामने फ्लाईओवर के नीचे धरने पर बैठे पटवारियों को शासन द्वारा हड़ताल समाप्त कर तत्काल काम पर लौटने का नोटिस जारी किया गया है, लेकिन पटवारियों ने इसे सिरे से ठुकराते हुए नोटिस लेने और पावती देने से साफ इनकार कर दिया। संघ ने दो टूक शब्दों में कहा है कि जब तक उनकी जायज मांगों का ठोस निराकरण नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष भीषम ठाकुर ने कहा कि पटवारी विगत कई दिनों से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। किंतु शासन-प्रशासन सुध लेने के बजाय बिना किसी सार्थक संवाद के सीधे काम पर लौटने का एकतरफा फरमान जारी कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शासन मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं अपनाता, हड़ताल और लंबी खिंच सकती है। धरने में बड़ी संख्या में महिला पटवारी भी पूरी एकजुटता के साथ शामिल हैं।



राजस्व कामकाज ठप, तूफान से फसल नुकसान के सर्वे और आगामी धान खरीदी पर पड़ सकता है असर

राजस्व कार्य पूरी तरह ठप, करोड़ों का नुकसान

पटवारियों के सामूहिक अवकाश और हड़ताल पर रहने से तहसील व ब्लॉक स्तर पर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और बी-1 खसरा जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कामकाज पूरी तरह ठप पड़े हैं। इससे न केवल शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि विद्यार्थियों को जाति, निवास व आय प्रमाण पत्र बनवाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

तूफान से फसल क्षति का सर्वे अटका, धान खरीदी पर भी संकट

13 अक्टूबर से शुरू हुए इस आंदोलन का सीधा असर अन्नदाताओं पर पड़ रहा है। हाल ही में आए चक्रवाती तूफान व बेमौसम बारिश के कारण खेतों में पकी धान की फसल जमीन पर बिछ गई है। फसल नुकसान के आकलन और मुआवजा प्रकरण तैयार करने की प्राथमिक जिम्मेदारी पटवारियों की है, लेकिन हड़ताल के कारण सर्वे का काम पूरी तरह अटका हुआ है। 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी से पूर्व गिरदावरी व फसल प्रविष्टि दुरुस्त न होने से किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

पटवारियों की ये हैं प्रमुख मांगें

तकनीकी खामियों वाले पीवी एप्लिकेशन को पूर्णतः बंद किया जाए। फसल प्रविष्टि के लिए भुइयां पोर्टल में सुगम विकल्प उपलब्ध कराया जाए। संघ पदाधिकारियों के द्वेषपूर्ण स्थानांतरण निरस्त किए जाएं और प्रदेशभर में पटवारियों के निलंबन वापस लिए जाएं। लंबे समय से लंबित वेतन विसंगति को दूर किया जाए एवं पदोन्नति की प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए।

एकतरफा आदेश से आक्रोशित कर्मचारी

पटवारी हेमंत वर्मा ने बताया कि शासन द्वारा एक सप्ताह की मोहलत देकर काम पर लौटने का नोटिस भेजा गया था। जिसे संघ ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पटवारियों का कहना है कि वे टकराव नहीं बल्कि समाधान चाहते हैं, लेकिन शासन का रवैया हठधर्मिता वाला है। जब तक टेबल टॉक के माध्यम से मांगों पर सहमति नहीं बनती, आंदोलन पीछे नहीं हटेगा।

डीपीएस स्कूल के पास भीषण सड़क हादसा : कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक गंभीर घायल

राजनांदगांव (दावा)। नेशनल हाईवे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार देर शाम बनभेड़ी स्थित डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) के समीप एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार कंटेनर और बाइक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में 26 वर्षीय बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठे साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को राहगीरों व पुलिस की मदद से तत्काल संजीवनी एंबुलेंस के जरिए नजदीकी शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।



राजनांदगांव से नागपुर की ओर जा रहे थे बाइक सवार, राजस्थान पासिंग कंटेनर से हुई भिड़ंत, जांच में जुटी लालबाग पुलिस

आमने-सामने की टक्कर में बाइक चालक ने मौके पर तोड़ा दम

लालबाग थाना प्रभारी सुरेश जांगड़े ने बताया कि यह हादसा मंगलवार शाम लगभग 6:30 बजे हुआ। बाइक क्रमांक सीजी-08/एएफ 4797 पर सवार दो युवक राजनांदगांव से नागपुर की दिशा में जा रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि वे मृतक युवक के गृह ग्राम चिचोला की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान डीपीएस स्कूल बनभेड़ी के पास विपरीत दिशा से आ रही राजस्थान पासिंग कंटेनर (क्रमांक आरजे-21/जीएफ 3513) से उनकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे 26 वर्षीय रवि कुमार (निवासी चिचोला) कंटेनर की चपेट में आ गए और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद सड़क खून से लाल हो गई।

डोंगरगढ़ निवासी साथी की हालत गंभीर

बाइक के पीछे बैठे डोंगरगढ़ निवासी 38 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही लालबाग पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और स्ट्रेचर की मदद से मृतक के शव को पंचनामा कार्रवाई के उपरांत चीरघर भिजवाया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की विवेचना कर रही है। घटना के चलते कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

फसल खराबी पर भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी की मांग : किसानों को सोसायटियों से मिले 5 हजार रु. प्रति एकड़ अग्रिम और मुआवजा बढ़ाकर हो 10 हजार

राजनांदगांव (दावा)। जिले में प्राकृतिक आपदा के चलते बड़े पैमाने पर फसलों के हुए नुकसान और आगामी त्योहारों को देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ किसान नेता अशोक चौधरी ने राज्य सरकार से किसानों को तत्काल आर्थिक संबल देने की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री से आग्रह किया है कि दीपावली पर्व और आगामी धान खरीदी के मद्देनजर किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर संवेदनशील निर्णय लिया जाए। श्री चौधरी ने कहा कि धान खरीदी शुरू होने में महज 15 दिन शेष हैं और एक सप्ताह के भीतर दीपावली का बड़ा त्योहार है। फसलों के भारी नुकसान से किसान परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अन्नदाता इस पर्व को खुशी-खुशी मना सकें, इसके लिए सरकार को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (सोसायटियों) के माध्यम से किसानों को 5,000 प्रति एकड़ की दर से अग्रिम राशि उपलब्ध करानी चाहिए। इस अग्रिम राशि को आगामी धान खरीदी के भुगतान के समय आसानी से समायोजित किया जा सकता है।



दीपावली पर्व और धान खरीदी से पहले आर्थिक संकट में घिरे किसानों को त्वरित राहत देने मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री से अपील

वर्तमान मुआवजा ऊंट के मुंह में जीरा

मौजूदा मुआवजा नीति पर बात रखते हुए उन्होंने कहा कि राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी 6-4) के तहत मिलने वाली राहत राशि बेहद अपर्याप्त है। वर्तमान में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान 3,100 की दर से बिकने पर किसान को 65,000 से अधिक की आय होती है, जबकि खेती की औसत लागत ही 22,000 से 25,000 प्रति एकड़ तक बैठती है। ऐसे में मात्र 13,000 प्रति हेक्टेयर (लगभग 4,300 प्रति एकड़) का मुआवजा दिया जाना किसानों के नुकसान की तुलना में ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है। भाजपा किसान नेता ने सरकार से अपील की है कि नियमों में उदारता बरतते हुए किसानों के लिए अलग से विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए और फसल क्षति की भरपाई के लिए प्रति एकड़ कम से कम 10,000 की मुआवजा राशि स्वीकृत की जाए, ताकि किसानों को वास्तविक संबल मिल सके।

रॉयल कॉलेज में दीप-सज्जा एवं थाल-सज्जा प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने दिखाई कलात्मक प्रतिभा

राजनांदगांव (दावा)। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय रॉयल कॉलेज में दीप-सज्जा एवं थाल-सज्जा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी.एड., बी.एस.सी. (बायो) और बी.कॉम संकाय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए मनमोहक सज्जा प्रस्तुत की।



दीपावली पर्व पर छात्र-छात्राओं ने आकर्षक दीये और थाल सजाकर बिखेरे रचनात्मक रंग

प्रतियोगिता में रॉयल किड्स कॉन्वेंट के कला शिक्षक प्रवीन सहारे ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए कलात्मक दीयों और पूजा थालों की बारीकी, रंग संयोजन और रचनात्मकता का मूल्यांकन कर छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष डॉ. सविता सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, डायरेक्टर संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, बरसर डॉ. इंद्र कुमार वैष्णव, एडवाइजर श्रीमती इला सिंह, उप-प्राचार्य डॉ. यामिनी साहू, डॉ. संध्या महोबे, एम.एस. नारंग, श्रीमती घनेश्वरी साहू, डॉ. जागेश्वरी साहू, सुनील कुमार भट्टाचार्य, पी.एल. मोहबे एवं श्रीमती शशिकला सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों और प्राध्यापकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की जागरूकता जरूरी : सचिन सिंह बघेल



'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर महाविद्यालय में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रवि सिन्हा ने की। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती निर्मला उमरे ने भी अपने विचार व्यक्त किए।मुख्य वक्ता सचिन सिंह बघेल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों और जिम्मेदार युवाओं पर निर्भर करती है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। युवाओं को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में रवि सिन्हा ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी मजबूती जनता के जनादेश तथा संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान में निहित है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विरोध के नाम पर अराजकता और अव्यवस्था फैलाने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का विरोध करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर व्यवस्था को बाधित करना और जनता के जनादेश का अपमान करना स्वीकार्य नहीं हो सकता। लोकतंत्र में सरकारें जनता के वोट से बनती हैं, भीड़ के दबाव से नहीं। रवि सिन्हा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे राजनीतिक घटनाक्रम को तथ्यों और विवेक के आधार पर समझें। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक जानकारियों से बचें तथा राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखें। उन्होंने कहा कि असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती है, लेकिन अराजकता उसकी कमजोरी है। प्राचार्य श्रीमती निर्मला उमरे ने कहा कि महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए ऐसे संवाद कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इससे युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक समझ और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी विषय से जुड़े विचार साझा किए तथा लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

वर्धमान नगर में पाईप लाइन खोदाई से सड़क पर बिखरा पड़ा मलबा : आवाजाही में हो रही भारी परेशानी

राजनांदगांव (दावा)। शहरवासियों को मोहारा जल संयंत्र से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दिनों विभिन्न क्षेत्रों में राइजिंग पाइप लाइन बिछाने का कार्य जारी है। जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में ठेकेदार की मनमानी और घोर लापरवाही अब आम नागरिकों के लिए गंभीर सिरदर्द बन चुकी है। पाइप लाइन डालने के लिए सड़कों की खोदाई कर मलबे को बेतरतीब छोड़ दिया गया है, जिससे लोगों का पैदल चलना और वाहन चलाना दूभर हो गया है।



वार्ड क्रमांक 19 अंतर्गत वर्धमान नगर में खोदाई के बाद सड़क को समतल किए बिना मिट्टी व मलबे का टीला जस का तस छोड़ दिया गया है। इसके चलते राहगीरों और विशेषकर बुजुर्गों व बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उबड़-खाबड़ रास्तों के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। वार्डवासी गिरीश ठक्कर ने बताया कि ठेकेदार की मनमानी को लेकर स्थानीय पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि से कई बार शिकायत की गई, किंतु समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। त्योहार के सीजन में वाहनों के टायरों से उड़ने वाली धूल सीधे घरों में समा रही है। जिससे दीपावली के उपलक्ष्य में कराई गई रंगाई-पुताई और साफ-सफाई पर पानी फिर रहा है।

धूल के गुबार से स्वास्थ्य पर संकट, बारिश में कीचड़ की मार

सड़क पर बिखरे मलबे के लगातार रौंदे जाने से उड़ने वाले धूल के गुबार ने दमा और श्वास संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की तकलीफ बढ़ा दी है। वहीं, मौसम में आए बदलाव या बारिश के दौरान यह मलबा दलदल और कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे वाहन चालकों के फिसलने का खतरा बना रहता है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि पाइप लाइन बिछाने के कार्य की सख्त निगरानी की जाए और खोदी गई सड़कों को तत्काल समतल कर दुरुस्त कराया जाए।

नंदई सहित कई इलाकों में फैला अव्यवस्था का जाल

नंदई गुरु घासीदास वार्ड के पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि विजय राय ने आरोप लगाया कि राइजिंग पाइप लाइन बिछाने का कार्य बेहद बेढंगे तरीके से किया जा रहा है। ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा केवल वर्धमान नगर ही नहीं, बल्कि नंदई, लखोली, हाट-बाजार, गंज चौक और लखोली नाका क्षेत्र की जनता भी भुगत रही है। कई स्थानों पर तो खुले गड्ढे छोड़ दिए गए हैं। जो राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

सादगी और सहजता ही मधुसूदन यादव की पहचान : सड़क किनारे रुककर खरीदा सीताफल, जाना ग्रामीणों का हाल

राजनांदगांव (दावा)। जनप्रतिनिधि का जनता के साथ सीधा और आत्मीय जुड़ाव ही लोकतंत्र की वास्तविक खूबसूरती को दर्शाता है। इसी सहज और सरल स्वभाव की बानगी एक बार फिर पूर्व सांसद एवं वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव के व्यवहार में देखने को मिली। जब वे सड़क किनारे रुककर स्थानीय ग्रामीणों से रूबरू हुए और मौसमी फल सीताफल की खरीदारी की। दौरे के दौरान बिना किसी प्रशासनिक औपचारिकता या तामझाम के महापौर मधुसूदन यादव स्थानीय फल विक्रेताओं के पास पहुंचे। उन्होंने न केवल ताजे मौसमी सीताफल खरीदे, बल्कि विक्रेताओं और आसपास मौजूद ग्रामीणों से आत्मीयता से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने फल उत्पादकों व विक्रेताओं से उनकी आजीविका, फसल की स्थिति और रोजमर्रा के व्यापार को लेकर भी सहज चर्चा की।



बिना किसी औपचारिकता के आमजनों के बीच पहुंचे पूर्व सांसद व महापौर, स्थानीय फल विक्रेताओं से की आत्मीय चर्चा

स्थानीय उत्पादों और आमजन से सीधा जुड़ाव

सड़क किनारे स्थानीय ग्रामीणों के बीच रुककर उनसे अपनत्व से मिलना और स्थानीय स्तर पर उत्पादित मौसमी फलों के प्रति रुचि दिखाना उनकी सादगीपूर्ण कार्यशैली को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। मौजूद ग्रामीणों व नागरिकों ने कहा कि पद की गरिमा के साथ-साथ व्यवहार में विनम्रता, सरलता और जन-जन से सीधा संवाद ही उनकी मूल पहचान है। आम आदमी के सुख-दुख में स्वाभाविक रूप से भागीदार बनना एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि के गुणों को उजागर करता है।

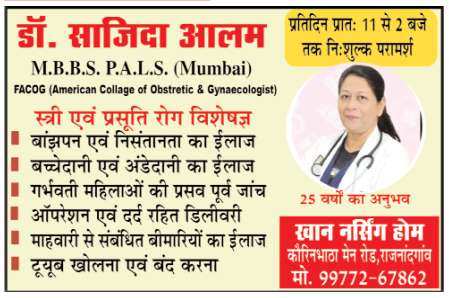












स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com